RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 139 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 3 मार्च 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

त्रिपुरा-नगालैंड में भाजपा को मिला बहुमत, मेघालय में भाजपा-एनपीपी फिर साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वोत्तर के 3 राज्यों के विधानसभा चुनाव में त्रिपुरा और नगालैंड में भाजपा गठबंधन को बहुमत मिला है। नगालैंड में भाजपा गठबंधन को 37 और त्रिपुरा में 33 सीटें मिली हैं। वहीं, मेघालय में मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा की NPP सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। एनपीपी के खाते में 26 सीटें आई हैं।

चुनाव से पहले भाजपा से गठबंधन तोड़ने वाली NPP का एक बार फिर भाजपा से गठबंधन हो गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने ट्वीट किया- मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने गृहमंत्री अमित शाह को फोन करके सरकार बनाने के लिए मदद मांगी है। कॉनराड संगमा ने भी ट्वीट करके भाजपा से मिले समर्थन की पुष्टि की है। उन्होंने भाजपा को समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा- हम मेघालय की सेवा के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

जीत पर मोदी बोले- कुछ कट्टर कहते हैं मर जा मोदी, जनता कह रही मत जा मोदी

त्रिपुरा, नगालैंड और मेघालय विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद गुरुवार रात क्रूनरेंद्र मोदी ने दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में कहा- हमारी जीत से घबराए कुछ कट्?टर विरोधी कहते हैं मर जा मोदी, लेकिन मेरे देशवासी कहते हैं मत जा मोदी। क्रूने भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से यह भी पूछा नॉर्थ-ईस्ट के रिजल्ट के बाद टीवी पर ईवीएम को गाली पड़नी शुरू हुई या नहीं।

त्रिपुरा में भाजपा को बहुमत

त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में 16 फरवरी को 60 सीटों पर 86.10 फीसदी मतदान हुआ था। त्रिपुरा की 60 में से 31 सीटें जीतकर भाजपा ने एक बार फिर पूर्ण बहुमत पा लिया है। यहां 2018 के चुनाव में भी भाजपा को पूर्ण बहुमत मिला था।

नगालैंड में भाजपा को बहुमत

नागालैंड में भी भाजपा गठबंधन को पूर्ण बहुमत मिल गया है। यहां पर भाजपा व उसकी सहयोगी को 37 सीटें मिली हैं। भाजपा को 12 व एनडीपीपी को 25 सीटों पर जीत मिली। नागालैंड में भी पिछले साल भाजपा गठबंधन की सरकार थी।

मेघालय में एनपीपी को बढ़त

मेघालय में 27 फरवरी को 60 में से 59 सीटों पर मतदान हुआ। 85.27 फीसदी वोटिंग हुई। यहां एनपीपी बड़ी पार्टी बनी है जिसे 26 सीटें मिली हैं। यहां भाजपा ने केवल दो सीटें जीती हैं और उसने एनपीपी को समर्थन देने का ऐलान कर दिया है।

खास खबर...

सोनिया गांधी की तबीयत खराब दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें बुखार की शिकायत के बाद गुरुवार को अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टर्स की निगरानी में उन्हें रखा गया है। सर गंगाराम अस्पताल की ओर से जारी किए गए हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक, यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी का चेस्ट मेडिसिन डिपार्टमेंट के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. अरूप बासु की निगरानी में इलाज चल रहा है। उन्हें 2 मार्च यानी गुरुवार को बुखार आने के बाद भर्ती कराया गया है। वह लगातार डॉक्टर्स की निगरानी में हैं और कई जांचों के दौर से गुजर रही हैं। उनकी हालत स्थिर है।

सोनिया गांधी की तबीयत ऐसे समय में खराब हुई है, जब राहुल गांधी विदेश दौरे पर हैं। वह ब्रिटेन की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में लेक्चर देने के लिए गए हुए हैं। वहां उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र खतरे में है. हम लोग एक निरंतर दबाव है महसूस कर रहे हैं। विपक्षी नेताओं पर केस किए जा रहे हैं. मेरे ऊपर कई केस किए गए। ऐसे मामलों में केस किए गए, जो बनते ही नहीं. हम अपना बचाव करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेताओं के फोन में पेगासस डाला गया।

कस्टम मिलिंग के लिए 104 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार की कुशल प्रबंधन के कारण अब तक कस्टम मिलिंग के लिए 104 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान का उठाव हो चुका है, जबकि 106 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान के उठाव के लिए डीओ जारी कर दिया गया है। किसानों से समर्थन मूल्य पर इस वर्ष 107.53 लाख मीट्रिक टन धान की सफलतापूर्वक खरीदी की गई है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री की पहल पर पिछले वर्ष की तर्ज पर इस वर्ष भी धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए सीधे उपार्जन केन्द्रों से धान का उठाव शुरू किया गया था, जिसके चलते राज्य सरकार को परिवहन व्यय में काफी कमी आयी है। इसके साथ ही धान खरीदी के बाद धान उठाव की लंबी प्रक्रिया से भी निजात मिली है। राज्य सरकार ने इस वर्ष 23 लाख 42 हजार से अधिक किसानों से 31 जनवरी 2023 तक 107.53 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की है। किसानों को धान खरीदी के एवज में 22 हजार 67 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है।

सीजी-महाराष्ट्र बॉर्डर पर नक्सलियों का उत्पात......

पोकलेन सहित तीन वाहनों को फूंका सड़क निर्माण कार्य में लगे थे वाहन

श्रीकंचनपथ न्यूज

गढ़चिरौली। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर एक बार फिर नक्सलियों का उत्पात सामने आया है। सीमा से लगे गढ़चिरौली में सड़क निर्माण में लगे तीन वाहनों को नक्सलियो ने आग के हवाले कर दिया है। वहीं मजदूरों व वाहन चालकों को यहां पर निर्माण कार्य न करने की चेतावनी दी है। बताया जा रहा है नक्सली ग्रामीणों की वेशभूषा में पहुंचे थे और मजदूरों को इसकी भनक भी नहीं लगी। घटना को अंजाम देने के बाद सभी नक्सली जंगल की ओर भाग गए। मामले में गढ़चिरौली पुलिस जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना गढ़चिरौली जिले के एटापल्ली तहसील में सुरजागगढ़-ओलेंगा-पारसागोंडी के बीच सड़क निर्माण का काम चल रहा है। धुर नक्सली बेल्ट में सड़क निर्माण कार्य को नक्सली हमेशा से ही चुनौती देते आए हैं। यही कारण है कि यहां पर निर्माण कार्य के दौरान नक्सली जमकर उत्पात मचाते हैं। इस बार भी यहां पर यही हुआ। सड़क निर्माण में लगे वाहनों को नक्सलियों ने फूंक दिया है। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों की वेशभूषा में करीब 10 से 15 नक्सली पहुंचे।

नक्सलियों ने पहले तो काम रुकवाया और मजदूर व वाहन चालकों के मोबाइल छीन लिए। इसके बाद वाहनों का डीजल निकाल कर उन्हीं वाहनों में आग लगा दी। आग लगाने के बाद नक्सलियों ने मजदूरों व चालकों को धमकी भी और आगे निर्माण कार्य न करने की चेतावनी दी।

नक्सलियों ने यहां पर एक पोकलेन, ट्रेक्टर व एक अन्य वाहन को फूंक दिया है। घटना के बाद सभी फरार हो गए। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दो दिन पहले सुकमा में दूरसंचार के वाहन में लगाई थी आग

2 दिन पहले छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में बीएसएनएल के एक बोलेरो वाहन को आग के हवाले कर दिया था। यहां कोंटा इलाके में केवल का लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा था। साथ ही यहां पर टॉवर लगाने का कार्य भी किया जा रहा था। इसी कार्य के सिलसिले में बीएसएनएल के कर्मचारी और कुछ मजदूर गए हुए थे। जहां अचानक पहुंचे माओवादियों ने वाहन को रुकवाया और डीजल टैंक खोलकर वाहन को आग लगा दी। साथ ही काम बंद करने की धमकी भी दी थी।

दुर्ग पुलिस की नसीहत का दिखा असर थाने में लगे बास्केट में डाली पिस्तौल

- एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने अवैध हथियार रखने वालों से की थी अपील
- अवैध करें थाने में जमा, नहीं होगी कार्रवाई

भिलाई। दुर्ग पुलिस इन दिनों अवैध रूप से हथियार रखने वालों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। पुलिस के पास लगातार हर्ष फायरिंग, हथियार लहराने व चाकू लेकर लोगों को धमकाने की शिकायतें मिल रही हैं और इस पर कार्रवाई कर आरोपियों की गिरफ्तार भी हो रही है। अब दुर्ग एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने एक नई पहल की है। अवैध हथियार रखने वालों को थाने में जमा करान कहा है, ताकि किसी भी प्रकार की कार्रवाई से बच सके।

एसपी पल्लव की अपील का असर भी दिखा। वैशाली नगर थाने में लगे बास्केट में एक युवक ने अपना देशी कट्टा डाला है। पुलिस की मौजूदगी में युवक ने अपना हथियान पुलिस को सौंप दिया है। वैशाली नगर थाना प्रभारी त्रिनाथ त्रिपाठी ने बताया कि थाने के बाहर इसके लिए बास्केट भी रख दिया गया है। थाना प्रभारी ने लोगों से अपील की है ऑनलाइन मंगाए गए चाकू व अन्य हथियार बॉक्स में डाल दें ताकि किसी भी कार्रवाई से बच सके। इसके अलावा हर्ष फायरिंग व हथियार के साथ सोशल मीडिया में फोटो वायरल न करने की समझाइश दी जा रही है। दुर्ग पुलिस की ऐसे मामलों में कार्रवाई जारी है और आगे भी जारी रहेगी।

सभी थानों के बाहर रखे जा रहे बास्केट

एसपी पल्लव की पहल के तहत जिले में अवैध हथियार रखने वालों से अपील की गई है कि वे अपने पास रखे किसी भी प्रकार का हथियार चाहे वह चाकू हो, तलवार हो, देशी कट्टा या अन्य कोई हथियार हो वे स्वयं थाने में जमा कराएं। इसके लिए सभी थानों के बाहर एक बास्केट रखा जा रहा है जिसमें लोग स्वयं आकर अपने पास रखा हथियार डाल कर जा सकते हैं। स्वयं थाने में जमा कराने पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जाएगी।

इंदौर टेस्ट में भारत की शर्मनाक हार

ऑस्ट्रेलिया टीम ने 76 रन का टारगेट 76 मिनट में हासिल कर लिया, 9 विकेट से जीता तीसरा टेस्ट

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को भारत को 9 विकेट से हरा दिया। भारत ने 76 रन का टारगेट दिया था, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने खेल शुरू होने के 76 मिनट में ही हासिल कर लिया है। ट्रेविस हेड ने 49 रन की पारी खेली।

इस जीत से कंगारू टीम ने चार मुकाबलों की सीरीज में 2-1 की वापसी की। सीरीज का आखिरी मुकाबला 9 से 13 मार्च तक अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला जाएगा।

मुकाबले के तीसरे दिन शुक्रवार को मेहमान टीम को जीत के लिए 76 रनों का छोटा-सा टारगेट मिला था, हालांकि रविचंद्रन अश्विन ने दिन की दूसरी ही बॉल पर उस्मान ख्वाजा को शून्य पर आउटकर भारतीय फैंस की उम्मीदें एकबारगी जगा दीं। भारतीय स्पिनर्स शुरू के 11 ओवर प्रभावी भी रहे, लेकिन 12वें ओवर में बॉल बदलते ही परिस्थितियां बदल गईं। बॉल बदलने से पहले कंगारुओं ने महज 13 रन ही बनाए थे। बॉल बदलने के 7 ओवर बाद ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने शेष 63 रन बना डाले। मार्नस लाबुशेन ने अश्विन की बॉल पर चौका जमाकर टीम को जिमाया। ट्रेविस हेड 49 और मार्नस लाबुशेन 28 नाबाद रहे। इससे पहले, भारत ने दूसरी पारी में 163 रन बनाते हुए 75 रनों की बढ़त हासिल की थी। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई ने अपनी पहली पारी में 197 रन बनाते हुए पहली पारी में 88 रनों की बढ़त बनाई। भारत पहली पारी में 109 रन पर सिमट गया था।

सीजी पुलिस के प्रधान आरक्षक ने आरक्षक की पत्नी से किया रेप, थाने पहुंचा मामला आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ पुलिस को दागदार करने वाला एक मामला सामने आया है। कांकेर जिले के पखांजूर थाने में पदस्थ एक प्रधान आरक्षक ने यहां के एक आरक्षक की पत्नी से दुष्कर्म किया। इस मामले में पीडिता की शिकायत पर पुलिस ने प्रधान आरक्षक के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया हैं। वहीं इस घटना के बाद यह सवाल उठने लगे हैं कि रक्षा करने वाले ही इस प्रकार की हरकतें करने लगे तो आम लोगों का क्या। बहरहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार पखांजूर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक तिलकराम जैन पर दुष्कर्म का आरोप लगा है। जिले के एक अन्य थाने में पदस्थ आरक्षक की पत्नी ने तिलकराम पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। तिलक राम यहां पुलिस क्वार्टर में रहता है और पीड़िता भी यहां के पुलिस क्वार्टर में ही रहती है। पीड़िता ने बताया कि पति के ड्यूटी जाने के बाद प्रधान आरक्षक ने जबरदस्ती उससे दुष्कर्म किया और किसी को न बताने की धमकी भी दी। पीड़िता ने बताया धमकी देकर प्रधान आरक्षक 2022 से लगातार दुष्कर्म कर रहा था। पखांजूर थाना प्रभारी मोरध्वज देशमुख ने बताया कि शिकायत गंभीर है और आरक्षक की पत्नी की शिकायत थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक तिलक राम पर केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

21वीं सदी और आश्रमों का पाखण्ड

श्रीकंचनपथ

महासमुन्द जिले के बागबाहरा थाने में एक शिकायत दर्ज हुई है। यहां के पतेरापाली गांव स्थित जय गुरुदेव मानस आश्रम में एक 17 साल की किशोरी को चूल्हे की सुलगती चैलियों से पीटा गया। उसके कोमल अंगों को दागने के साथ ही जलती लकड़ी उसके मुंह में ठूंस दी गई। उसे इसी हालत में आश्रम में कैद करके रखा गया। दूसरे दिन उसका भाई आश्रम पहुंचा तो उसने बहन को मरणासन्न स्थिति में पाया। उसने उसे आश्रम से निकालकर एक स्थानीय अस्पताल में दाखिल कराया। आश्रम संचालकों की धमकियों की वजह से उसने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई। पर बाद में जब किशोरी की जान को खतरा महसूस हुआ तो अस्पताल की सलाह पर पुलिस में केस दर्ज करा दिया गया। आश्रम के सरगना रमेश ठाकुर और तीन सेवादार नरेश पटेल, भोजराम साहू और राकेश दीवान को गिरफ्तार कर लिया गया है। सवाल यह उठता है कि किशोरी को अस्पताल लाए जाने के तत्काल बाद अस्पताल ने पुलिस को सूचना क्यों नहीं दी। यह प्रथम दृष्टया मेडिको लीगल केस था। किशोरी को बुरी तरह से मारा-पीटा और जलाया गया था। अस्पताल की यह जिम्मेदारी थी कि वह तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दे। तो क्या अस्पताल भी आश्रम के प्रभाव या दबाव में था? ज्यादा संभावना तो इसी बात की है। ऐसे आश्रमों की पहुंच और पकड़ दूर-दूर तक और रसूखदार लोगों तक होती है। कई बार तो ऐसे आश्रमों के संचालक कुकृत्यों का ताण्डव करने के बाद ऐसे ही चाहनेवालों की मदद से देश तक छोड़ जाते हैं। एक बलात्कारी बाबा तो देश छोड़कर अमेरिका के पास एक द्वीप खरीद चुका है। कुछ समय पहले उसकी एक चेली यूएन में नजर आई। एक बलात्कारी बाबा के देशभर में आश्रम हैं, लाखों अनुयायी हैं। एक और रंगीन मिजाज बाबा जेल में बैठकर वहां अपना प्रभाव जमा रहे हैं। इन आश्रमों में दिन भर देवी-देवताओं की पूजा होती है, प्रवचन होते हैं, भागवत, मानस का पाठ होता है। धर्मांध जनता, जिसमें बड़ी संख्या महिलाओं की होती है, आंख मूंदकर उनपर यकीन करती है। महिलाओं के साथ होने वाला इस तरह का यह कोई पहला अपराध नहीं है। महिलाओं को भूखा रखना, उन्हें मारना पीटना, सजा देने के नाम पर उन्हें निर्वस्त्र कर गांव में घुमाना, उनका सामूहिक बलात्कार करना जैसी घटनाएं घटित होती रही हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि 'ढोल-गंवार-सूद्र-पशु-नारी...' की कौन सी व्याख्या सही है. नारी को अपमानित करने के लिए उसे निर्वस्त्र करने की कोशिशें तो महाभारत काल से होती आ रही हैं। हम कन्या भोजन कराते हैं, उनके पांव भी पूजते हैं, देवियों की उपासना करते हैं। पर महिलाओं लेकर हमारी सोच नहीं बदलती। चंद रोज बाद अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है। कोई 12, कोई 20 तो कोई 36 महिलाओं को सम्मानित कर रहा होगा। दरअसल, यह भी पुरुष अहंकार का ही एक रूप है जिसमें वह स्त्री को बच्चों की तरह 'ट्रीट' करता है।

संपादकीय

जनादेश का संदेश

पूर्वोत्तर के तीन राज्यों के चुनावी नतीजे अनुमान के अनुरूप रहे हैं और चंद लफ्जों में अगर कहें, तो क्षेत्रीय पार्टियों को ही जीत नसीब हुई है और अगर राष्ट्रीय पार्टियों की बात करें, तो भाजपा अवश्य खुशियां मना सकती है। भाजपा के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी नगालैंड से आई है, जहां गठबंधन में रहते भाजपा को बड़ी कामयाबी मिली है। नगालैंड में पिछली बार विशेष स्थिति बन गई थी, सभी 60 विधानसभा सदस्यों ने राष्ट्रवादी लोकतांत्रिक प्रगतिशील पार्टी (एनडीपीपी) के नेतृत्व वाली सरकार का समर्थन किया था। हालांकि, चुनाव में मोटे तौर पर दो खेमों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें एनडीपीपी-भाजपा गठबंधन ने बाजी मार ली है। एग्जिट पोल ने भी भविष्यवाणी की थी कि भाजपा और एनडीपीपी सत्ता कायम रखने में कामयाब हो जाएगी और अब ऐसा ही हुआ है। इसमें कोई शक की बात नहीं कि नगालैंड में भाजपा को एक बुनियादी मजबूती मिल गई है। भाजपा के आधे से ज्यादा उम्मीदवारों का जीतना महत्वपूर्ण है। नगालैंड चुनाव में कांग्रेस 23 सीटों पर लड़कर बुरी तरह नाकाम रही है। उसके लिए नगालैंड में रास्ता कठिन हो गया है। वैसे यहां कांग्रेस ने जोर नहीं लगाया, जबकि भाजपा ने जोर लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मिसाल के लिए, मेघालय में भाजपा को जब कोई बेहतर गठबंधन नहीं मिला, तो उसने अकेले ही चुनाव लड़ने का फैसला लिया, वहां उसे कामयाबी ज्यादा नहीं मिली, लेकिन उसका जनाधार जरूर बढ़ा होगा। एक बड़ी खुशी की बात है कि नगालैंड को पहली बार दो महिला विधायक नसीब हुई हैं। भाजपा-एनडीपीपी गठबंधन की उम्मीदवार हेकानी जखालु और एस क्रुसे ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है। नगालैंड में चौदह बार विधानसभा चुनाव हो चुके हैं, पर अभी तक किसी महिला उम्मीदवार को जीत नहीं मिली थी। जाहिर है, इस जीत से नगालैंड की राजनीति में महिलाओं को आगे आने की प्रेरणा मिलेगी। मेघालय में काटे की टक्कर हुई है और यहां चुनाव बाद सरकार बनाने के लिए गठबंधन की जरूरत पड़ेगी। यहां क्षेत्रीय पार्टियों का शिकंजा कसा हुआ है और भाजपा, कांग्रेस को भविष्य में ज्यादा जोर लगाना पड़ेगा। वैसे लगता यही है कि एनपीपी सरकार बनाने के लिए भाजपा को साथ ले सकती है। यह एक सकारात्मक बात है कि किसी भी पार्टी से समझौता करने में भाजपा को कोई परहेज नहीं है। दूसरी पार्टियों के लिए यह एक सबक है कि कैसे भाजपा ने पूर्वोत्तर में अपने लिए ठोस जगह तैयार की है। उसकी उपलब्धि के पीछे जमीनी मेहनत ही नहीं, रणनीतिक कौशल भी है। पूर्वोत्तर के इन तीन राज्यों में करीब 135 सीटों पर लड़ते हुए लगभग 45 सीटें जीतना खास मायने रखता है। जहां तक त्रिपुरा के नतीजों की बात है, यहां भाजपा गठबंधन का मुकाबला वाम गठबंधन से था, यहां भी उसने अपने राजनीतिक कौशल का प्रदर्शन किया है। कुल मिलाकर, नगालैंड और त्रिपुरा में भाजपा सत्ता में वापसी करेगी, वहीं मेघालय में वह गठबंधन के जरिये सत्ता में शामिल हो सकती है। पूर्वोत्तर ने साफ कर दिया है कि भाजपा को सत्ता से बेदखल करने की इच्छा रखने वाले एकजुट न हो पाए, तो उन्हें 2024 को लेकर बहुत उम्मीदें नहीं पालनी चाहिए। बहरहाल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र के उप-चुनावों में कांग्रेस को जो जीत मिली है, शायद उसे भाजपा नजरंदाज नहीं करेगी। मतलब, तय है, आगामी चुनावी मुकाबले बहुत दिलचस्प होंगे।

“ दूसरी पार्टियों के लिए यह एक सबक है कि कैसे भाजपा ने पूर्वोत्तर में अपने लिए ठोस जगह तैयार की है। उसकी उपलब्धि के पीछे जमीनी मेहनत ही नहीं, रणनीतिक कौशल भी है। पूर्वोत्तर के इन तीन राज्यों में करीब 135 सीटों पर लड़ते हुए लगभग 45 सीटें जीतना खास मायने रखता है। जहां तक त्रिपुरा के नतीजों की बात है, यहां भाजपा गठबंधन का मुकाबला वाम गठबंधन से था, यहां भी उसने अपने राजनीतिक कौशल का प्रदर्शन किया है।

जल संकटः जन-भागीदारी से निकलेगा हल

गर्मी का पारा चढ़ने के साथ पानी को लेकर संकट की स्थिति फिर से हर तरफ बढ़ती दिख रही है। वैसे भी लचर जल प्रबंधन और जल संचयन के प्रति उदासीनता के कारण विश्व के कई देश आज जल संकट का सामना कर रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण आने वाले समय में यह समस्या और गहरा सकती है। बात भारत की करें तो दुनिया में पीने योग्य जितना पानी है, उसका चार फीसद पानी भारत में है।

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि वर्षा जल संरक्षण के लिए सरकारों द्वारा तमाम उपाय करने बावजूद हम बारिश के पानी से मात्र 300 मिलियन क्यूबिक मीटर ही रोक पा रहे हैं, जबकि वर्तमान में देश में 750-800 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी की आवश्यकता है। 50 साल पहले हमारे देश में प्रत्येक व्यक्ति के लिए पांच हजार क्यूबिक मीटर पानी उपयोग के लिए उपलब्ध रहता था, लेकिन आज घटकर यह 1500 क्यूबिक मीटर रह गया है। यानी दुनिया में जिस देश में जल को जगदीश मानने की परंपरा थी, दुर्भाग्य से आज उस देश में ही सबसे ज्यादा कंटेंमनेटेडेड वाटर रिसोर्सेस हैं। हमें समझना होगा कि प्रकृति हमें एक चक्र के रूप में जल प्रदान करती है। हम इस चक्र का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं और इस चक्र के थमने का अर्थ है, हमारे जीवन का थम जाना। प्रकृति के खजाने से हम जितना पानी लेते हैं, उसे वापस भी हमें ही लौटाना है। भूमिगत जल स्तर का लगातार नीचे खिसकते जाना भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। इसलिए जरूरी है कि लोग प्राकृतिक जल संसाधनों को दूषित न होने दें और पानी को व्यर्थ न गवाएं। सरकारों के साथ-साथ समाज को भी जल संकट के प्रति गंभीर होना होगा। अच्छी बात यह है कि केंद्र सरकार इस बात को गंभीरता से समझ रही है कि लोगों में जल एवं प्रकृति के संरक्षण के प्रति सामूहिक चेतना का निर्माण करके ही जल संरक्षण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। आने वाली पीढ़ी को उसकी जरूरत के हिसाब से पानी मिल सके इसके लिए बेहद जरूरी है कि जल संरक्षण से जुड़े अभियानों में जनता को, सामाजिक संगठनों को और सिविल सोसाइटी को ज्यादा से ज्यादा जोड़ा जाए। स्वच्छ भारत अभियान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। स्वच्छ भारत अभियान में जब लोग जुड़े, तो उनके भीतर एक नई चेतना का संचार हुआ। अब केंद्र के साथ ही सभी राज्य सरकारों को जन-भागीदारी की यही सोच जल संरक्षण के लिए भी जनता के मन में जगानी होगी। जल संरक्षण के लिए आज देश के प्रत्येक जिले में 75 अमृत सरोवर बनाए जा रहे हैं। विश्व में यह अपनी तरह का अनोखा अभियान है और अच्छी बात यह है कि इसमें जन-भागीदारी जुड़ी है।

आने वाले समय में पेयजल की समस्या विकराल रूप धारण करे इससे पहले पॉलिसी लेवल पर भी पानी से जुड़ी परेशानियों के समाधान के लिए सरकारी नीतियों और ब्यूरोक्रेटिक प्रक्रियाओं से देश को बाहर आना होगा। जल संरक्षण के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई 'अटल भूजल संरक्षण योजना' एक संवेदनशील अभियान है और इसे उतनी ही संवेदनशीलता से आगे बढ़ाने की जरूरत है। भूजल प्रबंधन के लिए बनाए गए प्राधिकरण सख्ती से इस दिशा में काम करें, ये भी सुनिश्चित करना होगा। इसके साथ ही अगर जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटना है तो भूजल रिचार्ज के लिए सभी जिलों में बड़े पैमाने पर वाटर-शेड का निर्माण करने के बारे में राज्य सरकारों को विचार करना होगा। इसके अलावा पहाड़ी क्षेत्रों में स्प्रिंग शेड को पुनर्जीवित करने का जो कार्यक्रम शुरू किया गया है उस पर तेजी से काम करना होगा।

> “ बहुत जरूरी है कि छात्रों का संपर्क उनके अपने समाज से बढ़ाया जाए, उन्हें उनकी प्रकृति के ज्यादा करीब लाया जाए, जिससे वे ज्यादा शांति व मानवीयता का अनुभव कर सकें।

शिक्षा परिसरों में हों खुशी के कोने

दीपक कुमार श्रीवास्तव

बहुत तेज बदलती दुनिया में इंसानियत का क्या हाल है? जहां एक ओर नई तकनीकें लगातार विकसित हो रही हैं, तो वहीं दूसरी ओर, लोग अपने समाज तथा अपनी प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। ज्यादातर लोग बढ़ती भीड़ में भी स्वयं को खोया हुआ महसूस कर रहे हैं। सामान्यत आज हर आदमी प्रतिस्पर्द्धा में लिप्त है। उसे नहीं पता कि उसकी प्रतिस्पर्द्धा किससे है, कहां तक, कब तक है, और यही पहले मानसिक तनाव और बाद में अवसाद की अहम वजह बन रहा है। आज मानसिक तनाव और अवसाद समाज के विकास में बाधा बन खड़ा हो रहा है। अस्थिर, अनिश्चित, जटिल और अस्पष्ट दुनिया ने मानवीय रिश्तों को जटिल बना दिया है तथा व्यक्ति किसी मृग-मरीचिका की तरह अनजान लक्ष्य के पीछे भाग रहा है। ऐसे में, उसे आत्म-मूल्य, अस्तित्व और अपने योगदान के बारे में असुरक्षा महसूस होती है। इन परिस्थितियों में समाज में एक सकारात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

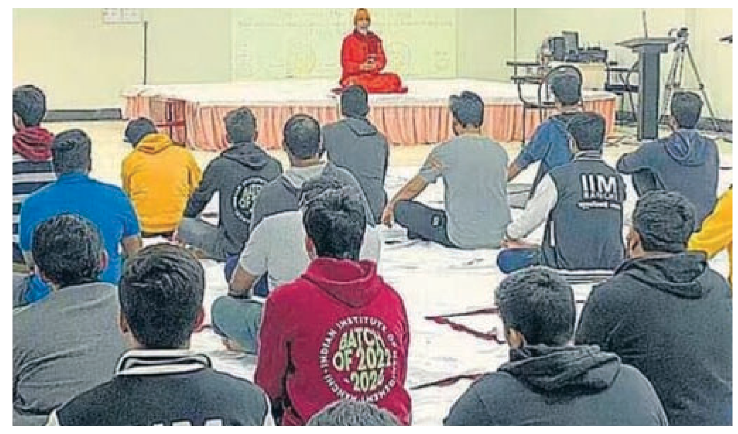

हमें यह समझना चाहिए कि पैसा वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर सकता है, लेकिन स्वास्थ्य एवं खुशहाल जीवन को सुनिश्चित नहीं कर सकता। विभिन्न शोधों से सिद्ध हुआ है कि जो लोग परिवार, समुदाय एवं प्रकृति से जुड़े हुए हैं, वे अधिक खुश और शारीरिक रूप से ज्यादा स्वस्थ हैं। प्रसन्नता की चाबी मानवता है तथा इसके लिए सामाजिक संपर्क या संबंध धन की अपेक्षा ज्यादा आवश्यक है। संतोषप्रद जीवन के लिए हमें अपने रिश्तों को मजबूत व पोषित करने की जरूरत है। इस संदर्भ में परिवार व समुदाय में धन के निवेश की अपेक्षा समय का निवेश ज्यादा महत्वपूर्ण है। खुशी के लिए चीजों की अपेक्षा अनुभव का अधिक महत्व है। अनुभव से ही आप अपने लिए खुशी संजोते हैं। तमाम तरह की वस्तुओं से ही केवल खुशी मिलना संभव नहीं है। अक्सर हमारे समाज में बच्चों को सिखाया जाता है कि जिसके पास ज्यादा संसाधन है, वह ज्यादा खुश है। बच्चे इन संसाधनों के सपने देखने लगते हैं और उनकी खुशी घटने लगती है। बच्चों या छात्रों को ऐसे सकारात्मक कार्यों में खुशी खोजनी चाहिए, जिनसे उनकी सामाजिकता और समझ का दायरा सहजता से बढ़े।

उदाहरण के लिए, संगीत सुनना प्रसन्नता का भाव लाता है। जब लोग या छात्र समूह में एक साथ बैठकर संगीत सुनते हैं, तो उनका मन-मस्तिष्क लयबद्ध तरीके से ताल-मेल बैठाता है और एक साझा भावनात्मक अनुभव कराता है। मानवीय संबंध एक गहरा सामाजिक बंधन है, जो व्यक्तियों के बीच तब बनता है, जब वे एक-दूसरे का महत्व महसूस करते हैं। थोड़ा-सा भी सच्चा अपनत्व जागे, तो सकारात्मक ऊर्जा का आदान-प्रदान होता है, जो परस्पर विश्वास बनाने में लाभकारी होता है। छात्रों को समाज से जोड़ने की प्रक्रिया का महत्व अब कई शिक्षण संस्थान समझने लगे हैं। उनके तनावों से निपटने की कोशिशें की जाने लगी हैं।

मिसाल के लिए, भारतीय प्रबंधन संस्थान, आईआईएम, रांची ने 'द ह्यूमन कनेक्ट' नामक एक कार्यक्रम की शुरुआत की है। इससे जुड़ी गतिविधियां सफलतापूर्वक चलाई जा रही हैं। इसका मूल मकसद यह है कि छात्रों को साथ लाया जाए, उनका परस्पर संपर्क बढ़ाया जाए, जिससे वे अपने को सार्थक रूप से व्यक्त कर सकें। आज बहुत जरूरी है कि छात्रों का संपर्क उनके अपने समाज से बढ़ाया जाए, उन्हें उनकी प्रकृति के ज्यादा करीब लाया जाए, जिससे वे ज्यादा शांति और मानवीयता का अनुभव करें। उनके सहज मानवीय जुड़ाव को बनाए रखना है, जो सामान्यत कथित सफलता की अंधी होड़ में कहीं खो जाती है।

यह 'द ह्यूमन कनेक्ट' छात्रों के मानसिक और भावनात्मक हित को बढ़ावा दे रहा है। इसके जरिये छात्रों को अकेलेपन या व्यर्थता के एहसास से बचाया जा सकता है। हममें से हर कोई यह महसूस करता होगा कि व्यावसायिक होड़ में हमारा समाज कमजोर हुआ है। हम लंबे समय से छात्रों को सिर्फ होड़ करना सिखाते रहे हैं, यह गलत नहीं है, लेकिन उन्हें परिवार, समाज व अपनी जमीन से जोड़े रखना भी जरूरी है। क्या कई छात्र आज विदेश चले जाने को लालायित नहीं हैं?

छात्रों को मजबूत बनाने के लिए कई तरह की गतिविधियों का सहारा लिया जा सकता है, जैसे ड्रम सर्कल (साथ में ड्रम बजाना), डांस सर्कल (साथ में नृत्य करना), ह्यूमन लाइब्रेरी, पेट थेरेपी (जीव सेवा), विलेज स्लो डाउन, कलेक्टिव कैनवास (सामुदायिक चित्रकारी), कलेक्टिव मेडिटेशन (साथ में प्राणायाम), केयरिंग कन्वर्सेशन (चिंता साझा करने के लिए परस्पर बातचीत), पौधरोपण अभियान और खुशी का एक कोना, मतलब हैप्पीनेस कॉर्नर। दरअसल, एक-दूसरे से तालमेल बिठाकर चलना सीखना चाहिए, ताकि हम एक-दूसरे के लिए समस्या नहीं, बल्कि समाधान बनें। तमाम शिक्षण संस्थानों में ऐसी गतिविधियां जरूरी हैं। ह्यूमन लाइब्रेरी अर्थात मानव पुस्तकालय ने छात्रों को अपनी अनूठी कहानियों को एक-दूसरे के साथ साझा करने का मौका दिया है। पालतू या छोड़ दिए गए पशुओं के साथ समय बिताना भी उपयोगी है। गांव की सरल जीवन शैली हमें प्रकृति का आनंद लेने में सक्षम बनाती है, जबकि आज के छात्र गांव से लगातार दूर जा रहे हैं। शिक्षा परिसरों में जगह-जगह ऐसे खुशी के कोने या हैप्पीनेस कॉर्नर होने चाहिए, जहां पहुंचते ही छात्र कुछ राहत या खुशी स्वत महसूस कर सकें।

आज छात्र वही है, जो सतत परीक्षा की तैयारी में लगा हुआ है। वह कितने तनाव में है, उसको कैसी भयावह समस्याओं से गुजरना पड़ता है, यह समझना होगा। निस्संदेह, ह्यूमन कनेक्ट जैसे कार्यक्रमों को सभी प्रकार के संस्थानों में चलाया जा सकता है। इससे पढ़ाई में छात्रों का प्रदर्शन भी सुधरेगा। शिक्षा संस्थानों में प्रसन्नता और खुशी का माहौल बनेगा।

आज के समय में व्यक्ति को ऐसे स्थान तथा अवसर की जरूरत है, जो उसे प्रसन्नता व मानवीयता का भाव दे सके। मानवीय उपलब्धियां किसी भी प्रतिस्पर्द्धा तथा दूसरों को प्रभावित करने के प्रयास से भिन्न हैं। विभिन्न संस्थानों, विशेषकर शैक्षणिक संस्थानों में छात्र-छात्राओं को ऊंचे लक्ष्य तक पहुंचाने के साथ-साथ जीवन यात्रा का आनंद लेना भी सिखाना चाहिए। उत्कृष्टता के साथ-साथ संस्थानों को मानवीय विकास पर भी ध्यान देना चाहिए। आर्टिफिशिल इंटिलिजेंस, सिमूलेशन ऐंड वर्चुवल रियलिटी की दुनिया में शिक्षा को मानव केंद्रित बनाने पर ध्यान देना ही पड़ेगा। छात्रों को आज मनोवैज्ञानिक सलाह या सहायता ही नहीं, बल्कि मानवीयता की ज्यादा जरूरत है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत में आखिर कौन लोग ठगे जाते हैं सबसे ज्यादा

प्रमीत भट्टाचार्य, वरिष्ठ पत्रकार

मेरे एक मित्र को कुछ हफ्ते पहले एक असली नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने कहा कि वह बैंक से बोल रहा है, बैंक के क्रेडिट कार्ड को अपग्रेड करना है। कॉल करने वाले ने दोस्त की पहचान सत्यापित करने के लिए कार्ड नंबर मांगा और दोस्त ने दे दिया। नंबर साझा करते हुए दोस्त को थोड़ी परेशानी महसूस हुई। जब कॉल करने वाले ने सुरक्षा कोड साझा करने के लिए कहा, तब दोस्त को शक हुआ।

दोस्त जान गया कि उसे स्कैम या घपले के लिए तैयार किया जा रहा है। दोस्त ने कहा कि उसका सुरक्षा कोड 420 है। कॉल करने वाले ने कहा कि यह सुरक्षा कोड गलत लग रहा है। तब दोस्त ने जवाब दिया कि 420 ही तुम्हारा सही विवरण है। सर्वज्ञात है, भारतीय दंड संहिता की धारा 420 धोखाधड़ी और बेईमानी से संबंधित है। जैसा कि होता है, घपलेबाज कॉल काटने से पहले अपशब्दों की बौछार कर गया। शुक्र है, दोस्त ने कोई पैसा नहीं गंवाया, लेकिन मेरा जो दोस्त खुद को तकनीकी रूप से सक्षम व आर्थिक रूप से जागरूक मानता है, ठगी के बहुत करीब पहुंच गया था। वैसे उसके साथ जो हुआ, वह शायद देश भर में हर दिन हजारों लोगों के साथ होता है। फिर भी सटीक डाटा की कमी के चलते वित्तीय धोखाधड़ी की असली सीमा अज्ञात है।

हालांकि, वित्तीय फर्म व नियामक ग्राहकों की शिकायतों का डाटा एकत्र करते हैं, पर रिपोर्ट न की गई शिकायतें उनके डाटाबेस में दर्ज नहीं होतीं। अधिकांश ग्राहक पुलिस या वित्तीय नियामकों को धोखाधड़ी की रिपोर्ट करना उचित नहीं समझते। उदाहरण के लिए, मेरे दोस्त को भी नहीं लगा कि शिकायत दर्ज कराने से घोटालेबाज को पकड़ने में मदद मिलेगी। वर्ष 2021 में माइक्रोसॉफ्ट और यूगोव के एक ऑनलाइन सर्वेक्षण में पाया गया था कि प्रमुख देशों में देखें, तो भारतीयों के ऐसे घपलों का शिकार होने की आशंका

ज्यादा है। ये ऐसे घपले हैं, जिनमें एक स्कैमर या घपलेबाज ग्राहकों को ठगने के लिए तकनीकी सहायता सेवा देने का दावा करता है। साल 2022 में लोकल सर्कल्स द्वारा किए गए ऑनलाइन सर्वे में यह पाया गया कि 42 फीसदी उत्तरदाताओं ने पिछले तीन वर्षों में किसी न किसी प्रकार की वित्तीय धोखाधड़ी का सामना किया है; और ऐसी धोखाधड़ी का अनुभव करने वाले 74 प्रतिशत उत्तरदाता अपना पैसा वापस पाने में नाकाम रहे।

ये आंकड़े राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, यानी एनसीआरबी में दर्ज अपराध के आंकड़ों और भारतीय रिजर्व बैंक जैसे वित्तीय नियामकों द्वारा दर्ज आंकड़ों से काफी अलग हैं। आधिकारिक रिकॉर्ड से तो यही पता चलता है कि भारतीयों का एक छोटा हिस्सा ही वित्तीय अपराधों से प्रभावित है। विमल बालासुब्रमण्यम, रेणुका साने और सृष्टि शर्मा द्वारा 2022 में तैयार एक शोध पत्र में कहा गया है कि बैंकिंग और भुगतान पर अगर एक शिकायत दर्ज होती है, तो 60 शिकायतें ऐसी भी होती हैं, जिनके लिए कोई आवाज नहीं उठाता। बीमा उत्पादों के मामले में तो एक शिकायत दर्ज होती है, तो 80 शिकायतें ऐसी होती हैं, जो कहीं दर्ज होने से रह जाती हैं। बैंकिंग और भुगतान संबंधी शिकायतें ज्यादातर लेन-देन को लेकर होती हैं, जबकि बीमा संबंधी शिकायतें ज्यादातर गलत बिक्री को लेकर होती हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि कम शिक्षित या कम धनवान लोगों की शिकायत करने की संभावना कम थी।

वित्तीय गड़बड़ी और एकमुश्त धोखाधड़ी की सही सीमा का पता लगाने के लिए भारतीय नीति-निर्माताओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि उपभोक्ता अनुभव सर्वेक्षण में निवेश करने की जरूरत है। इससे यह पता लग सकता है कि भारत में किन जन समूहों के साथ ज्यादा धोखाधड़ी हो रही है। विदेश में बुजुर्गों से ज्यादा धोखाधड़ी होती है, जबकि हमारे यहां ऐसा कोई आंकड़ा नहीं है। भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य वित्तीय नियामकों को सर्वेक्षण विशेषज्ञों के साथ काम करने की जरूरत है। ऐसे लोगों को सुनना जरूरी है, जो भारतीय उपभोक्ताओं की दुखती रग पर उंगली रखते रहते हैं। प्रौद्योगिकी ने पिछले कुछ वर्षों में वित्त की दुनिया को बदल दिया है। संभावनाएं भी बनी हैं और जोखिम भी पैदा हुए हैं। जरूरी है कि पहले इन जोखिमों की सीमा व प्रकृति को समझा जाए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

राजनीतिक कोताही से हिंसा की काली छाया

गुरबचन जगत

पुलिस सेवा में मेरा कार्यकाल काफी लंबा रहा, जो 1960 के दशक के मध्य से शुरू होकर मौजूदा शताब्दी की शुरुआत तक रहा। इस दौरान मैंने कानून और व्यवस्था की नाना प्रकार की स्थितियां देखी हैं। सामान्य अपराध, मसलन, चोरी, डकैती और यदा-कदा होने वाली हत्याएं (कुछ जिलों में तो इनकी वार्षिक संख्या इकाई अंक तक सीमित हुआ करती थी, हालांकि मालवा इलाके में मामले अधिक थे)। पंजाब में बलात्कार की वारदातें कभी-कभार ही होती थीं। दरअसल, मामलों में उछाल आतंकवाद की आमद के बाद से ही हुआ, जिनमें अनेक मौकों पर हत्याएं, किसी धार्मिक स्थल पर गोमांस फेंकना तो कहीं सिगरेट फेंक देना, धीरे-धीरे समाज में फूट और दुराव बनता गया। इसके बाद आया दौर राज-शक्ति और आतंकवाद के बीच पूर्ण लड़ाई का, वे दिन थे जब केवल बंदूक ही बोला करती थी। यह मंज़र जूलियस सीज़र नाटक में कही मशहूर उक्ति : 'मार-काट करो और कुत्तों की तरह टूट पड़ो' वाला था। आज हालात ऐसे हैं कि खुद नेतृत्व असुरक्षा का हौवा खड़ा कर रहा है। विभिन्न रंग-ढंग के राजनीतिक दलों और संगठनों के नेतृत्व का दावा है कि भारत में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, दलित और समाज के अन्य वर्ग सुरक्षित नहीं हैं। आखिर भारत के सामान्य नागरिक को खतरा है किससे- क्या एक-दूसरे से? तमाम राजनीतिक दलों को एक-दूजे से? क्या विभिन्न धर्मों को एक-दूसरे से है? यह वितंडा नेताओं के एक वर्ग-राजनीतिक, धार्मिक और उनके अग्रणी संगठनों का फैलाया हुआ है। ये वो लोग हैं जिन्हें हर नुक्कड़ पर और विभिन्न मंचों से आती आवाज़ों में खतरा नज़र आता है। सरकार और कानून एवं व्यवस्था लागू करने वाली एजेंसियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने से शह पाकर ये स्वर और तीखे और दबंग होते जा रहे हैं।

आज देश भर में हो रहे अपराध देखकर और इनके बारे में पढ़कर पाता हूं कि विगत की तुलना में इनकी संख्या और अंजाम देने में बरती जाने वाली क्रूरता में कितना बड़ा फर्क आ गया है। बर्बरता और सनक भरी हिंसा आज बलात्कार, हत्याओं, अगवा करके फिरौती मांगने वाले मामलों की पहचान बन गई है। चाहे यह दिल्ली हो, हैदराबाद, मुम्बई, उत्तर प्रदेश हो या बिहार, अमानवीयता की दृश्यावली एक-सी है। आज बोलचाल नफरत की भाषा में तब्दील

हो चुकी है और यह चलन खुलेआम और सार्वजनिक है। इसकी सबसे बड़ी शिकार महिलाएं हैं- जिन्हें मारपीट, बलात्कार, जला देना इत्यादि भुगतना पड़ रहा है। फ्रिज और डीप फ्रीजर का काम मृतका का शव रखने की जगह बन गए हैं। आलम यह है कि मौसम या समय कोई भी हो, किसी भी महिला की यह समझदारी नहीं जो वह सूरज ढलने के बाद अकेले निकलने का दुस्साहस करे। चाहे सांप्रदायिकता हो या सामाजिक व जाति-आधारित भेद, आज समाज की भ्रंश-रेखाएं गहरी होती चली जा रही हैं। लचर गायक गैंग और गैंगस्टरों का महिमामंडन कर रहे हैं, सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर इनके प्रशंसकों की अच्छी-खासी तादाद है। इन सबके बीच, सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात है कि मुख्य राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने इस पर चुप्पी साध रखी है। स्थानीय स्तर पर जरूर छिटपुट प्रदर्शन होते हैं लेकिन बड़े पैमाने पर होने वाला और सतत आंदोलन कोई नहीं, जो विभिन्न सरकारों को निर्णायक कार्रवाई करने को मजबूर करे। नतीजतन, अपराधों में संख्यात्मक वृद्धि हो रही है और अपराधी फल-फूल रहे हैं। समूचा आपराधिक न्याय तंत्र मरणासन्न हुआ पड़ा है। पुलिस हो या कार्यपालिका या फिर न्यायपालिका, हर कोई इस अकर्मण्यता वाली नीति का अंग है। हम लोग यानी आम नागरिक भी लगता है इन अमानवीय कृत्यों के प्रति उदासीन हो गए हैं। पीड़ितों के प्रति सहानुभूति गायब है, सिर्फ हित जो बाकी बचा, वह है 'मैं-मेरा-अपना'। बिना प्रश्रय अपराध फल-फूल नहीं सकता, इसके बिना अपराधी, आतंकवादी आंदोलन प्रफुल्लित नहीं हो सकते, न ही भ्रष्टाचार और न ही नौकरशाही और पुलिस में मौजूदा आपराधिक प्रवृत्ति वाले तत्व पल-बढ़ सकेंगे। मदद और प्रश्रय अब दबी-ढकी नहीं रही, बल्कि उघड़ी और प्रत्यक्ष है।

हमारे राजनीतिक नेतृत्व के चाल-चलन का सूक्ष्म उदाहरण देखना हो तो हाल ही में दिल्ली नगर निगम की विभिन्न कमेटियों के सदस्यों के चुनाव के दौरान रहा मंज़र याद करें। सदन में हमारे ये तथाकथित नेतागण अपनी कूवत का पूरा गौरवपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, मर्द नेता दूसरे मर्द को घूंसे मार रहा था तो नेत्री अपने प्रतिद्वंद्वी को बालों से पकड़कर घसीट रही रही थी और इस संग्राम में, जो जिसके हाथ लगा, वह फेंक रहा था। तो यह है हमारे लोकतंत्र की नुमाइश। इसी तरह, पंजाब के अजनाला में पुलिस थाने पर सशस्त्र भीड़ का हमला होना और दबाव में आई सरकार द्वारा गिरफ्तार व्यक्ति को छोड़ने वाला प्रसंग अपनी कहानी आप बयां करता है। इसके बाद मीडिया में खबर आई कि तथाकथित उच्च सुरक्षा जेल में बंद दुश्मन गैंगस्टरों की आपसी लड़ाई में सिद्धू मूसेवाला के कथित कातिलों में दो मारे गए। जाहिर है, यह खूनी मारपीट घंटों चली होगी – इस बीच जेल व्यवस्था और आचार संहिता कहां थी? यह कत्ल और प्रशासनिक अमले की अकर्मण्यता आगे अफवाहों और साजिश-कथाओं को जन्म देंगे। सवाल उठना जायज हैं कि क्या यह घटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश से जांच करवाने लायक नहीं? इस सबके बीच आतंकवादियों द्वारा मारे गए कश्मीरी पंडितों की संख्या में और इजाफा हो रहा है, नवीनतम मामला पुलवामा का है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

ब्रांड डेनेक्स के साथ छत्तीसगढ़ की महिलाओं ने समाज के रूढ़िवादी नजरिए को तोड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पारंपरिक चलन में महिलाओं को रोजगार दिलाने का मतलब था एक तकनीकी कौशल का ज्ञान देकर कर्मचारी के रूप में नियोजित करना, लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार ने एक नई सोच के साथ यह तय किया कि महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए उद्योग तो स्थापित होंगे, लेकिन उनका संपूर्ण प्रबंधन भी महिलाओं के ही हाथ में होगा।

यानी छत्तीसगढ़ मॉडल में महिला निर्भरता का मतलब उसे कुशल कर्मचारी नहीं, बल्कि सफल उद्यमी बनाना है। इसी सोच के साथ दंतेवाड़ा नेक्स्ट यानी श्डेनेक्सश् ब्रांड की शुरुआत की गई। इस रेडीमेड गारमेंट उद्योग में काम करने वाली सहायता समूह की महिलाएं जिन्हें यहां के लोग दीदी कह कर बुलाते हैं, वे ही इस कंपनी का संपूर्ण कार्य प्रबंधन भी संभालती हैं। इस तरह इस संगठन से जुड़ी हर एक महिला अपने आप में एक सफल उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बना रही है।

डेनेक्स फैक्ट्री से अब तक 12 लाख गारमेंट बनाकर विक्रय के लिए भेजे जा चुके हैं। यहां तैयार किए गए रेडीमेड कपड़ों की गुणवत्ता और उनकी डिजाइन ग्राहकों को लुभा रही है। इसी का नतीजा है कि कई बड़े मल्टीनेशनल स्टोर्स और ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म पर भी इन कपड़ों की बड़ी डिमांड है। देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ कई अन्य देशों को भी

यहां तैयार किए गए रेडीमेड गारमेंट निर्यात किए जा रहे हैं। महिलाओं द्वारा तैयार किए गए इन कपड़ों से कंपनी को अब तक करीब 72 करोड़ रुपए की आमदनी हुई है। इस फैक्ट्री के माध्यम से करीब 1000 महिलाओं को सीधे रोजगार से जोड़ा गया है। जिला प्रशासन के संरक्षण में स्व सहायता समूहों के माध्यम से संचालित हो रहे इस रेडीमेड गारमेंट उद्योग को इंडस्ट्रियल चौन के रूप में आगे भी विस्तारित करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस दिशा में प्रशासन के सहयोग से महिलाएं लगातार आगे बढ़ भी रही हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा 31 जनवरी 2021 को डेनेक्स की पहली यूनिट की शुरुआत गीदम विकासखंड अंतर्गत ग्राम हारम में की गई थी। दंतेवाड़ा जिले में हारम के बाद अब कटेकल्याण, छिंदनार, बारसूर, कारली में डेनेक्स की कुल 5 यूनिट स्थापित की जा चुकी हैं। इसमें सर्वप्रथम महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है। डेनेक्स गारमेंट फैक्ट्री ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए एक वरदान साबित हुई है। इससे इनके उद्यमिता कौशल को बढ़ावा तो मिल ही रहा है साथ ही आजीविका का साधन मिलने से जीवन स्तर में तेजी के साथ सकारात्मक बदलाव आए हैं। समाज के रूढ़िवादी और पितृसत्तात्मक नजरिए को डेनेक्स ने बदल कर रख दिया है। एक समय था जब बस्तर के क्षेत्र में औरतें घर की चारदीवारी तक सीमित थीं। डैनेक्स के जरिए महिलाएं इन बंदिशों को तोड़कर तरक्की के आसमान छू रही हैं और आत्मनिर्भरता की एक नई इबारत लिख रही हैं। सभी के चेहरे पर गर्व की चमक है और सफलता की ओर तेजी से बढ़ रहे उद्यमी की तरह आत्मविश्वास है। दंतेवाड़ा नेक्स्ट (डेनेक्स) की दीदियां आज दूसरी महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही हैं।

खास खबर

निगम दफ्तर का आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर उपायुक्त मोहेंद्र साहू ने किया आकस्मिक निरीक्षण

दुर्ग। नगर पालिक निगम में दफ्तर का आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर आज उपायुक्त मोहेंद्र साहू ने किया निरीक्षण, निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर उपायुक्त ने निगम कार्यालय का औचक निरीक्षण किया।दफ्तर निरीक्षण के दौरान लिपिक सहित देर से आने वाले कर्मचारियों को अंतिम समझाइस दी गई। उन्होंने कहा कि सुबह 10 बजे निर्धारित समय पर निगम दफ्तर पहुँचे। देर से आने वाले कर्मचारियों को लापरवाही न करने की सख्त हिदायत दी गई छत्तीसगढ़ शासन से अधिसूचना जारी होने के बाद से निगम का समय सुबह 10 से शाम 5:30 बजे तक निर्धारित कर दिया गया है,निगम कर्मचारी इसका ध्यान आवश्यक रखें। निगम उपायुक्त मोहेंद्र साहू ने सुबह 10 बजे अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति का निरीक्षण किया।उन्होंने कहा कि देर से आने वाले कर्मचारियों की प्रतिवेदन आयुक्त को सौंपी जाएगी।निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेनो कक्ष, राजस्व विभाग, संपत्तिकर विभाग,भवन संधारण, सचिवालय, लोक सेवा गारंटी काउंटर, टैक्स वसूली काउंटर, जन सूचना विभाग, स्वास्थ्य विभाग, अभियंता कक्ष,पेंशन शाखा, आधार कार्ड एवं जनगणना शाखा आदि विभागों में निरीक्षण कर कर्मचारियों की उपस्थिति का जायजा लिया।

खेल एवं युवा कल्याण राष्ट्रीय सेवा योजना प्रमाण पत्र के लिए परीक्षा आयोजित

कांकेर। राष्ट्रीय सेवा योजना बस्तर विश्वविद्यालय जगदलपुर के निर्देशन में इकाई पंडित विष्णु प्रसाद शर्मा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की ए प्रमाण पत्र परीक्षा आयोजित की गई। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी आबिद खान ने बताया कि लिखित परीक्षा 80 अंक एवं मौखिक परीक्षा 20 अंक की ली गई, इस प्रकार 60 स्वयंसेवकों में पात्र 44 स्वयंसेवकों ने परीक्षा दी जिसमें 21 बालक एवं 23 बालिकाएं थी ,परीक्षा में पात्र स्वयंसेवक जिन्होंने 2 वर्ष में निर्धारित 240 घंटे कार्य पूरा किए हैं, उन्हें परीक्षा में सम्मिलित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से ऐसे स्वयंसेवकों का निर्माण किया जाता है जो अपने शरीर मन और हृदय से मैं साहस के लिए ग्राम में जाकर सेवा भावना के माध्यम से यह संदेश पहुंचाते हैं।

नवीन कृषि अनुसंधानों एवं प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्टअप शुरू करें कृषि छात्र - डॉ. चंदेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने विभिन्न कृषि संकायों में अध्ययनरत विद्यार्थियों से आव्हान किया है कि वे कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में हो रहे नवीन अनुसंधानों तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी से संबंधित कौशल विकास अर्जित कर नये-नये नवाचार करें तथा उनपर आधारित अपना स्वयं का स्टार्टअप प्रारंभ करें।

उन्होंने कहा कि कृषि तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नित हो रहे नवीन अनुसंधानों तथा तकनीकों से इन क्षेत्रों में नवाचार तथा स्टार्टअप प्रारंभ करने हेतु बेहतर वातावरण तैयार हुआ है, जिसका विद्यार्थियों को लाभ उठाना के लिए आगे आना चाहिए। डॉ. चंदेल विश्वविद्यालय में

संचालित कैरियर डेव्हलपमेंट सेन्टर द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (छ।भ्म्च), भारतीय कृषि प्रबंधन अकादमी (छ।त्ड), के सहयोग से ''कृषि छात्रों में उद्यमशीलता हेतु कौशल विकास'' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का समापन कर रहे थे। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कृषि छात्रों में कौशल विकास, नवाचार एवं उद्यमशीलता का विकास है। कार्यशाला में कृषि, कृषि अभियांत्रिकी एवं खाद्य प्रद्योगिकी महाविद्यालय, रायपुर के तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष में अध्यनरत 100 से अधिक छात्र सम्मिलित हुए।

इस कार्यशाला का शुभारंभ कृषि महाविद्यालय, रायपुर के अधिष्ठाता डॉ. जी. के दास ने किया एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा द्वारा की गई। इस एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों में उद्यमिता विकास पर विभिन्न विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिया गया। ''कैरियर विकास हेतु संवाद कौशल'' विषय पर प्रो. अनिल काले द्वारा व्याख्यान दिया गया। ''टीम वर्क एवं टीम निर्माण'' विषय पर प्रो. प्रसन्न निमोंकर ने व्याख्यान दिया। ''कृषि में नवचार एवं स्टार्टअप'' विषय पर आई.जी.के.वी. राबी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. हुलास पाठक द्वारा व्याख्यान दिया गया। विद्यार्थियों को 'उद्यम स्थापना में सरकारी मदद' विषय पर प्रबंधक अभिजीत शर्मा द्वारा जानकारी दी गयी। कार्यशाला के दौरान विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न प्रकार की सामूहिक गतिविधियों का आयोजन भी किया गया।

कार्यक्रम के अन्त में प्रतिभागी विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किये गये। कार्यक्रम का संचालन कार्यशाला प्रभारी डॉ. संजय जोशी द्वारा किया गया। इस एक दिवसीय कार्यशाला के कार्यक्रम संयोजक डॉ. रामा मोहन सावु थे।

भिलाई सीए ब्रांच की शानदार पहल, सदस्यों के लिए प्रिविलेज कार्ड हुआ लॉन्च

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई सीए ब्रांच द्वारा सीए सदस्यों के लिए शानदार पहल करते हुए प्रिविलेज कार्ड लॉन्च किया गया है। इसके अंतर्गत ब्रांच के सभी रजिस्टर्ड सदस्यों को शहर के विभिन्न संस्थानों में खरीदी करने या सर्विस लेने पर डिस्काउंट प्राप्त होगा। भिलाई सीए ब्रांच की चेयरमेन सीए पायल नवीन जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रिविलेज कार्ड के अंतर्गत ब्रांच ने 40 से अधिक स्थानीय व्यापारिक संस्थानों के साथ टाईअप किया है जहां सदस्यों को उत्पाद खरीदी या सेवाओं पर 5 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक का डिस्काउंट मिलेगा। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में पहली बार किसी सीए ब्रांच द्वारा स्थानीय व्यापारियों से टाईअप कर यह पहल की जा रही है, इससे न केवल सीए सदस्यों को लाभ मिलेगा बल्कि सीए संस्था और स्थानीय व्यापारियों के मध्य भी सामंजस्य स्थापित होगा। इसकी जानकारी ब्रांच की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

डॉ. नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान के अनुयायियों ने स्वच्छता का दिया संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शहर के शासकीय कन्या पॉलीटेक्नीक कालेज बैरनबाजार मेंडॉ. नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान रेवदंडा जिला रायगढ़ के रायपुर शाखा द्वारा महास्वच्छता अभियान के तहत उनके अनुयायियों ने कालेज परिसर की स्वच्छता की। महास्वच्छता अभियान अंतर्गत शासकीय कन्या पॉलीटेक्नीक परिसर बैरन बाजार में स्वच्छता की गई। सुबह 7 ये 10 बजे तक की गई सफाई में लगभग 3000 वर्ग मीटर क्षेत्र की सफाई की गई व 3 टन कचरा निकाल कर डंपिंग यार्ड भिजवाया गया। 27 श्री सदस्यों ने स्वच्छता अभियान में कार्य किया। संस्था की प्राचार्या डॉ. वर्षा चौरसिया ने प्रतिष्ठान के स्वच्छता अभियान की प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि डॉ. नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान रेवदंडा जिला रायगढ़ के सौजन्य से महाराष्ट्र भूषण डॉ. नानासाहेब धर्माधिकारी के जन्मशताब्दी के अवसर पर डॉ. आप्पा साहेब धर्माधिकारी व डॉ. सचिन दादा धर्माधिकारी के मार्गदर्शन में महास्वच्छता अभियान शुरू किया गया है।

जिसके तहत संस्था के अनुयायियों के द्वारा स्वच्छता मे योगदान दिया जा रहा। इसी के तहत पूरे देश में 1 मार्च को भारत के अलावा अन्य देशों में यह अभियान चलाया गया यह अभियान स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य के राज्यपाल द्वारा नियुक्त स्वच्छता दूत डॉ. नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान के अध्यक्ष पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. अप्पासाहेब धर्माधिकारी व डॉ. सचिन दादा धर्माधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

सौर ऊर्जा से ढाढपथरा के 247 परिवारों को मिला प्रकाश, पेयजल और सिंचाई सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिले के ग्राम ढाढपथरा वनों से घिरा और पहाड़ी मैदान पर बसे आदिवासी बाहुल्य गांव है, जहां परम्परागत ऊर्जा से विद्युतीकरण किया जाना संभव नही था। गांव के घरों और गलियों में प्रकाश व्यवस्था के साथ ही पीने के लिए और सिंचाई के लिए पानी की आवश्यकता थी। इस कमी को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) ने इसे चुनौती के रूप में स्वीकार किया और सम्पूर्ण ग्राम ढाढपथरा के घरों को गैर परम्परागत ऊर्जा (सौर संयंत्र) से विद्युतीकृत किया है।

गांव ढाढपथरा में 247 हितग्राही परिवारों के घरों में विद्युतीकरण हेतु कुल 88 किलोवॉट के 10 संयंत्र स्थापित किये गये है। सौभाग्य योजनातंर्गत सोलर होम लाईट की स्थापना की गई है। प्रत्येक परिवारों को 200 वॉट क्षमता का संयंत्र प्रदाय किया गया है। इससे 24 घंटे बिजली उपलब्ध हो पा रही है। चौक-चौराहों एवं हाट-बाजारों में प्रकाश व्यवस्था हेतु 02 नग सोलर हाई मास्ट संयंत्रों की स्थापना की गई है। इससे अंधेरे से होने वाली दुर्घटनाओं एवं जंगली जानवरों से बचा जा सकता है। अब रात्रिकालीन आवागमन सुरक्षित हो गया है। पेयजल की व्यवस्था हेतु स्थापित सोलर हैंड पम्प में 04 नग सोलर ड्यूल पम्प की स्थापना की गई है जिससे ग्रामवासियों को 24 घंटे पानी उपलब्ध हो जाता है। अब पानी के लिए ग्रामवासियों को दूर नहीं जाना पडता है। गांव के किसानों को सिचाई कि सुविधा प्रदान करने के उद्धेश्य से सौर सुजला योजना के तहत राज्य शासन द्वारा रियायती दरों पर सोलर पम्प उपलब्ध कराए जा रहें है। 03 एच.पी. एवं 05 एच.पी क्षमता के कई सोलर पम्प स्थापित किये गये है।

जिला हॉस्पिटल सहित 6 हॉस्पिटलों में ईटीपी प्लांट प्रारंभ, सीजीएमएससी के कार्यों में आयी तेजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। कलेक्टर रजत बंसल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के निर्माण एजेंसी सीजीएमएससी द्वारा जिले में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों में तेजी आयी है। इसके तहत जिला हॉस्पिटल बलौदाबाजार, सिविल हॉस्पिटल भाटापारा, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लवन, पलारी, सिमगा, कसडोल, बिलाईगढ़ में ई टी पी प्लांट (इफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) प्रारंभ कर दी गई है।

इससे हॉस्पिटल के गंदे पानी का शुध्दिकरण कर उपयोग लायक बना दी जाती है। ई टी पी प्लांट के तहत अस्पताल व नाली

का गंदे पानी को चार स्टेज में बैक्टीरिया की मदद से सेकेंडरी उपयोग के लायक गंदे पानी की समस्या को हमेशा के लिए सुलझा लिया गया है। जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माण एजेंसी सीजीएमएससी लिमिटेड द्वारा निर्माण किया गया है, अस्पताल से निकले गंदे पानी को प्लांट में दाने अलग अलग टंकियों में चरणबद्ध तरीके से बायोकल्चर की मदद से फिल्टर किया गया है। अस्पताल का गंदा पानी एमबीबीआर से युक्त पहले एरिगेशन टैंक में पहुंचता है तत्पश्चात बायोकल्चर से युक्त एरिगेशन टैंक नंबर 2 में जाता है। गंदे पानी का शुद्धीकरण स्टेप बाय स्टेप आगे बढ़ते हुए चौथे नंबर के क्लियर टैंक तक पहुंचता है। फिल्टर सिलेंडर के माध्यम से पानी शुद्ध होकर आखरी ट्रीटमेंट टैंक पहुंचकर स्टोर हो जाता है। फिल्टर सिलेंडर हाइपोक्लोराइड टैंक का कनेक्शन जुड़ा रहता है इस तरह गंदा पानी सेकेंडरी उपयोग के लिए शुद्ध हो जाता है। उक्त कार्य में उप अभियंता शिवम गुप्ता, सहायक अभियंता अजय कापसे विशेष योगदान रहा है।

आवश्यकता है
लड़के एवं लड़कियों की
वेतन चार अंकों में
भिलाई मसाला उद्योग
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

खास खबर...

बोर्ड परीक्षाओं में नकल रोकने उड़नदस्ता कर रहा निरीक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा बोर्ड परीक्षाएं व्यवस्थित रूप से संचालित की जा रही हैं। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए परीक्षा केन्द्रों में सभी इंतजाम किए गए हैं। नकल के प्रकरणों की रोकथाम के लिए सभी जिलों में उड़नदस्ता बनाए गए हैं। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव प्रोफेसर व्ही. के. गोयल ने बताया कि हायर सेकेण्डरी की परीक्षा 01 मार्च से और हाई स्कूल की परीक्षा 02 मार्च से शुरू हो चुकी हैं। हाई स्कूल की 02 मार्च को हिन्दी विषय की परीक्षा सम्पन्न हुई। उन्होंने बताया कि मंडल के पोर्टल पर एंट्री के अनुसार परीक्षा में कुल 3 लाख 35 हजार 152 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। जांजगीर जिले के शासकीय बालक स्कूल नवागढ़ में तीन नकल प्रकरण की सूचना मंडल के पोर्टल पर प्राप्त हुई है। हाई स्कूल की परीक्षा में आज 6 हजार 539 परीक्षार्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहे।

शासकीय सेवकों से 05 मार्च तक ओपीएस अथवा एनपीएस के लिए विकल्प देने की अपील

रायपुर। शासकीय सेवकों से पुरानी पेंशन योजना का लाभ लेने अथवा एनपीएस में बने रहने के लिए 05 मार्च 2023 तक अनिवार्य रूप से अपना विकल्प देने की अपील की गई है। वित्त विभाग द्वारा शासकीय सेवकों के लिए विकल्प देने की समय-सीमा 05 मार्च 2023 निर्धारित की गई है। इस समय-सीमा को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। शासकीय सेवकों के लिए विकल्प देने का यह अंतिम मौका है। जिन्होंने अभी तक विकल्प नहीं दिया है, उनसे अपील की गई है कि निर्धारित समय-सीमा में विकल्प दें। गौरतलब है कि वित्त विभाग द्वारा शासकीय सेवकों के लिए विकल्प देने के लिए 24 फरवरी 2023 तक की समय-सीमा निर्धारित की गई थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर विकल्प देने की समय-सीमा को 24 फरवरी से बढ़ाकर 05 मार्च 2023 किया गया है।

शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में बढ़ेंगी सुविधाएं, हमर क्लिनिक के रूप में होंगे संचालित

रायपुर में 52 शहरी स्वास्थ्य केंद्रों का हमर क्लिनिक के रूप में होगा उन्नयन

स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने पांच हमर क्लिनिकों का किया निरीक्षण, जल्द सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने चिकित्सा अधिकारी, स्टॉफनर्स और बहु-उद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता रहेंगे मौजूद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य विभाग हमर अस्पताल और हमर लैब के बाद अब हमर क्लिनिक के माध्यम से रायपुरवासियों के स्वास्थ्य सुविधाओं में इजाफा करने जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से रायपुर के 52 शहरी स्वास्थ्य केंद्रों का हमर क्लिनिक के रूप में उन्नयन किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने शहर के पांच हमर क्लिनिकों का निरीक्षण कर तैयारियां देखीं। उन्होंने अधोसंरचनागत निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुए सभी व्यवस्थाएं जल्द सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने हमर क्लिनिक में मिलने वाली सुविधाओं के प्रचार-प्रसार के साथ ही लोगों की पहुंच को सुगम बनाने विजिबिलिटी बोर्ड्स और मार्गदर्शक पट्टिकाएं लगाने को कहा।

स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव ने कल शाम रायपुर में राजेन्द्र नगर, छत्तीसगढ़ नगर, राठौर चौक, कबीर नगर और मंगल बाजार गुढ़ियारी के हमर क्लिनिक पहुंचकर उन्नयन कार्यों का अवलोकन किया और आवश्यक निर्देश दिए। रायपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में शहरी स्वास्थ्य के राज्य कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. प्रदीप टंडन भी इस दौरान मौजूद थे। श्री सिंहदेव ने कबीर नगर हमर क्लिनिक के निरीक्षण के दौरान अपने ब्लड-प्रेशर की जांच भी करवाई।

लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने शहरी स्वास्थ्य केंद्रों को हमर क्लिनिक का रूप दिया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की तर्ज पर शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में भी ज्यादा सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। प्रदेश भर के विभिन्न नगरीय निकायों जिनमें नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत शामिल हैं, 182 हमर क्लिनिक शुरू किए जा रहे हैं।

पूर्व में शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में एएनएम के माध्यम से बच्चों और गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण व जांच की सुविधाएं प्रदान की जाती थीं। अब यहां अच्छी अधोसंरचना के साथ चिकित्सा अधिकारी, स्टॉफ नर्स, बहु-उद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता, डॉटा एंट्री ऑपरेटर और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नियुक्ति कर संपूर्ण इलाज की सुविधा विकसित की जा रही है। हमर क्लिनिकों में मरीजों के लिए 70 तरह की दवाईयों की व्यवस्था की जा रही है। हमर लैब के सहयोग से जांच की जरूरत वाले मरीजों को जांच की सुविधा भी मुहैया कराई जाएगी।

वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों के साथ साझा किए विज्ञान के व्यावहारिक अनुभव

देश को नई दिशा देने युवाओं में वैज्ञानिक सोच का विकास जरूरीः महानिदेशक डॉ. एस. कर्मकार

रायपुर। छत्तीसगढ़ रीजनल साईंस सेन्टर में 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान' थीम पर फोल्डस्कोप एजुकेशनल एवं अनुसंधान उपकरण' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विज्ञान दिवस पर आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यशालाओं में छात्रों और शिक्षकों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग से सस्ते एवं व्यवहारिक उपकरणों के उपयोग और रख-रखाव के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला में फोल्डस्कोप के प्रयोग को हैण्ड-ऑन प्रशिक्षण द्वारा बहुत ही रोचक तरीके से समझाया गया। विभिन्न प्रकार के सैंपल प्लांट सेल, एनीमल सेल की स्लाइड, विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त किए गए जल के नमूने, बहुत से रसायनिक क्रियाओं प्राप्त होने वाले प्रोड्कस, बैक्टीरिया, फंगस, प्रोटोजोआ जैसे कई- एककोशीय एवं द्विकोशीय सूक्ष्म जीवों को फोल्डस्कोप से देखना सिखाया जो कि अत्यंत रोमांचकारी था। वर्तमान समय में जहां माइक्रोस्कोप अत्याधिक महंगे, नाजुकता और उच्च रख-रखाव के कारण केवल प्रयोगशाला तक सीमित हो गये है। ऐसे में हमारे आस-पास के जीवन और सूक्ष्म जीवों को देखने के तरीके में बदलाव हेतु ओरिगेमी माइक्रोस्कोप - फोल्डस्कोप की जानकारी दी गई। फोल्डस्कोप ओरिगेमी प्रक्रिया से प्रेरित एक अल्ट्रा किफायती पेपर माइक्रोस्कोप है। कार्यशाला में महानिदेशक डॉ. एस. कर्मकार ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर महान भारतीय वैज्ञानिक प्रोफेसर चंद्रशेखर वेंकटरमन को याद करते हुए उनके उत्कृष्ट वैज्ञानिक खोज रमन प्रभाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि युवाओं में वैज्ञानिक सोच का विकास देश को नई दिशा प्रदान करता है। डॉ. कर्मकार ने विद्यार्थियों को मानव कल्याण के लिये शोध करने के लिए प्रेरित किया।

'छत्तीसगढ़ मॉडल' की हुई तारीफ

अपेक्स बैंक के अध्यक्ष ने छत्तीसगढ़ की न्याय योजनाओं सहित ग्रामीण विकास के कार्यों की दी जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में छत्तीसगढ़ मॉडल एक बार फिर छाया रहा। विभिन्न राज्यों से सहकारी बैंकों के प्रतिनिधियों ने विकास के लिए 'छत्तीसगढ़ मॉडल' को अनुकरणीय बताया। छत्तीसगढ़ अपेक्स बैंक के अध्यक्ष बैजनाथ चन्द्राकर ने छत्तीसगढ़ में चलाई जा रही न्याय योजनाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी। राष्ट्रीय ग्राहक परामर्श समिति की बैठक में 15 राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक में बैजनाथ चन्द्राकर ने 'छत्तीसगढ़ मॉडल' का जिक्र करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की जनहितैषी नीतियों से गांव का विकास, किसानों का विकास, खेतिहर मजदूरों का विकास, आदिवासियों, महिलाओं का विकास तथा अन्य कृषि संबंधी गतिविधियों (अलाइड) का लगातार विकास हुआ है। किसानों को राहत देने वाली नीतियों, कार्यक्रमो और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया गया। राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गो-धन न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना एवं 65 प्रकार के वनोपजों का सर्मथन मूल्य पर खरीदी से गांवों में समृद्धि आई है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है।

छत्तीसगढ़ के किसानों को उनकी आवश्यकता के हिसाब से को-आपरेटिव्ह बैंको से ब्याज मुक्त कृषि ऋण दिया जा रहा है। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का पुनगर्ठन कर 725 नवीन प्राथमिक कृषि साख समिति बनाई गई हैं। इन समितियों को आधारभूत संसाधन उपलब्ध कराया गया। किसानों को सिंचाई पम्पों के लिए बिजली कनेक्शन, रियायती और निःशुल्क बिजली प्रदाय करने से फसल उत्पादन में छत्तीसगढ़ ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस साल छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर 23 लाख किसानों से 107.53 लाख मैट्रिक टन धान खरीदा गया है। इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा को-आपरेटिव्ह बैंको के माध्यम से 21 हजार 946 करोड़ रूपए का भुगतान सीधे किसानों के बैंक खाते में अन्तरण किया गया। छत्तीसगढ़ खुशहाली और समृद्धि के साथ आगे बढ़ रहा है।

चालू वित्तीय वर्ष में दो लाख से अधिक लोगों के कान की जांच

कर्ण रोगों से ग्रसित 4120 रोगियों की माइनर सर्जरी

रायपुर। प्रदेश में चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में जनवरी माह तक दो लाख 626 लोगों के कान की जांच की गई है। इनमें 14 हजार 483 लोग बधिरता से ग्रसित पाए गए। इस दौरान विभिन्न कर्ण रोगों से जूझ रहे 4120 रोगियों की माइनर सर्जरी तथा 164 की मेजर सर्जरी की गई है। राष्ट्रीय बधिरता रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत समाज कल्याण विभाग के सहयोग से 2023 जरूरतमंदों को हियरिंग-ऐड प्रदान किया गया है। वहीं 3255 मरीजों को स्पीच थैरेपी भी दी गई है। प्रदेश के विभिन्न शासकीय अस्पतालों की ओपीडी में आए बच्चों और उनके परिजनों को कर्ण संबंधी समस्याओं से बचाव व उपचार के बारे में जानकारी दी जाती है। वर्तमान में प्रदेश के सभी 28 जिला अस्पतालों, सभी शासकीय मेडिकल कालेजों और एम्स रायपुर में कर्ण संबंधी इलाज तथा आपरेशन की सुविधा है। पूरी दुनिया में प्रति वर्ष 3 मार्च को विश्व कर्ण देखभाल दिवस मनाया जाता है।

कर्ण रोगों के प्रति लोगों को जागरूक करने 3 मार्च से 10 मार्च तक अंतरराष्ट्रीय कर्ण देखभाल सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष का आयोजन ईयर एंड हियरिंग केयर फॉर ऑल! लेट्स मेक इट रियालिटी की थीम पर आधारित है। इस साल की थीम प्राथमिक स्वास्थ्य संस्थाओं पर केन्द्रित करते हुए निर्धारित की गई है जिससे कान से जुड़ी सभी सेवाएं जनसमुदाय तक पहुंचाई जा सके। विश्व कर्ण देखभाल सप्ताह का उद्देश्य बधिरों के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक अधिकारों के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के साथ ही लोगों के बीच बधिरों की समस्याओं के बारे में समझ बढ़ाना है। राष्ट्रीय बधिरता रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के उप संचालक डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि देश में हर वर्ष कर्ण संबंधी रोगियों की संख्या में वृद्धि हो रही है। इससे शून्य से 14 वर्ष के बच्चे अत्यधिक प्रभावित हो रहे है। अधिकांश बच्चों में माइल्डर डिग्री या यूनिलैटरल (एक कान का) हियरिंग लॉस देखा जा रहा है।

लगातार खांसी-जुकाम व कान बहने को अनदेखा न करें

डॉ. नवरतन ने बताया कि लगातार खांसी-जुकाम व कान बहने जैसी समस्याओं को अनदेखा नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। अक्सर मां बच्चे को एक करवट लेटाकर दूध पिलाती है, जिससे उसकी कान की नली में दूध चला जाता है और बहरापन होने की संभावना बढ़ जाती है। मां बैठकर बच्चे को सही तरीके से दूध पिलाए और हमेशा सतर्कता बरते। कान में गंदा पानी जाने से कान में मवाद बनता है। इससे भी कान से जुड़ी समस्याएं पैदा होती हैं। शुगर व टी.बी. रोग से ग्रसित मरीजों को नियमित रूप से अपनी श्रवण क्षमता की जांच करानी चाहिए। बिना चिकित्सकीय सलाह के कोई भी दवा नहीं लेनी चाहिए ।

कान की अच्छी सेहत के लिए इन सावधानियों को अपनाएं

राष्ट्रीय बधिरता रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के उप संचालक डॉ. नेतराम नवरतन ने बहरेपन से बचाव के उपाय बताएं हैं जिनके पालन से इससे बचा जा सकता है। कान में नुकीली वस्तुएं नहीं डालना चाहिए। संगीत सुनते समय (विशेष रूप से हेडसेट के माध्यम से संगीत सुनते समय) संगीत की ध्वनि, टीवी देखते समय टीवी की ध्वनि एवं स्टीरियो (त्रिविम ध्वनिक) की ध्वनि के स्तर को कम रखकर सुनें।

वैज्ञानिक सोच विकसित करने में शिक्षा संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका- प्रो. एसके पाण्डेय

छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा द्वारा विज्ञान दिवस पर सेमिनार का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा को संबोधित करते हुए एस्ट्रो फिजिक्स के प्रोफेसर और पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ एस के पांडेय ने कहा कि आज वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रचार-प्रसार की जरूरत है। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रो. पाण्डेय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा और पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के एंथ्रोपोलॉजी डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित सेमिनार को सम्बोधित कर रहे थे।

प्रो. पाण्डेय ने सेमिनार में कहा कि आजादी मिलते ही, देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश में शिक्षा और विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए विश्वस्तरीय संस्थानों का निर्माण कराया। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि वही देश विकास कर सकता है जो विज्ञान को साथ लेकर चलेगा। इस दिशा में उन्होंने देश में पांच आईआईटी की स्थापना के साथ ही नेशनल फिजिक्स लैब, नेशनल केमिस्ट्री लैब, रीजनल रिसर्च लेबोरेटरी, इसरो जैसे

उच्च स्तरीय वैज्ञानिक संस्थान और साइंस एंड टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट जैसे विभागों का गठन भी किया। हर साल वे नेशनल साइंस कांग्रेस के उद्घाटन सत्र में भाग लेते थे और वैज्ञानिकों को बेहतर खोजों के लिए प्रोत्साहित करते थे।

प्रो. पाण्डेय ने विज्ञान के विकास में प्रसिद्ध वैज्ञानिकों आर्यभट्ट, चरक, न्यूटन, कापरनिकस, गेलेलियों, आइंस्टीन और जगदीश चंद्र बसु, सत्येंद्र नाथ बोस, मेघनाथ साहा, सी वी रमन आदि वैज्ञानिकों का स्मरण किया और उनके कार्यों को याद किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष इंटरनेशनल ईयर फॉर बेसिक साइंसेज फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट' के रूप में मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो के एल वर्मा ने कहा कि हमारे देश में अवसरों की कमी नहीं है। हमें आज वैज्ञानिक सोच को जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत है।

छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के अध्यक्ष प्रो. एमएल नायक और विज्ञान सभा के कार्यकारी अध्यक्ष विश्वास मेश्राम ने भी सम्बोधित किया। एंथ्रोपोलॉजी डिपार्टमेंट के अध्यक्ष, प्रोफेसर अशोक प्रधान ने विज्ञान दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाने की जरूरत पर विस्तार से बताया और विज्ञान के प्रचार प्रसार में यूनिवर्सिटी के द्वारा किए जा रहे कामों की जानकारी दी। कार्यक्रम की शुरुवात में सेंटर फॉर बेसिक साइंसेज के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

एक थप्पड़ की मदद से बढ़ाएं अपने चेहरे की खूबसूरती

आजकल की भागदौड़ वाली जिंदगी में हम और आप अपने ऊपर ध्यान ही नहीं दे पाते। देश हो या विदेश हर कोई किसी न किसी कारण से परेशान हैं। कोई अपनी खराब सेहत को लेकर झूज रहा है तो कोई अपनी मोटी तोंद के चलते निशाने पर हैं। अगर इतने सबसे आप बच भी गए तो वहीं आपकी अनहेल्दी लाइफस्टाइल स्किन प्रॉब्लम्स को बुलावा देने के लिए काफी है। कई बार लड़कियों को इस बात की शिकायत होती है कि उनका रंग गोरा तो है लेकिन स्किन में ग्लो नहीं है। इसके लिए महंगे से महंगे पार्लर जाकर हर महीने फेशियल कराना हो या फिर ब्लीच, घरेलू नुस्खे आजमाने हो या फिर महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करना हो, आप हर वो चीज करती हैं जिससे आपकी खूबसूरती बढ़ सकती है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि आप खुद को एक थप्पड़ मारकर भी अपनी खूबसूरती बढ़ा सकती हैं? यकीन नहीं हुआ ना, लेकिन ये सच है जनाब और ऐसा हम नहीं, बल्कि खुद कोरिएन एक्सपर्ट का कहना है।

स्लैपिंग मसाज है क्या?

अमेरिका के कैलिफोर्निया में स्थित थाई मसाज थेरेपिस्ट गम पुक्कलुनुन ने इस बात का पता लगाया है कि शरीर में ऊर्जा रेखाएं होती हैं। ये ऊर्जा रेखाएं आपके चेहरे पर भी मौजूद होती हैं। तेज थ्रैटिंग या थप्पड़ मारने से मांसपेशियों को आराम मिलता है और ऊर्जा लाइनें खुल जाती हैं। बार-बार फेशियल एरिया पर थप्पड़ मारने से ब्लड का सर्कुलेशन बढ़ता है। साथ ही साथ स्किन में एनर्जी लेवल भी दोगुना हो जाता है। जिससे चेहरे की छिपी रौनक वापस आ जाती है। इस तकनीक का इस्तेमाल आप क्रीम और मॉइश्चराइजर लगाते वक्त भी कर सकती हैं। ऐसा करने के लिए आप अपने चेहरे को जोर से थपथपाएं और फिर ऊपर से नीचे की और क्रीम लगाएं।

थप्पड़ मारने से मिलेगी मदद

कहा जाता है कि प्लम्पर दिखने वाली स्किन (सांवली त्वचा), स्किन में मौजूद छोटे छिद्रों और झुर्रियों को दूर करने के साथ-साथ बेहतर रक्त परिसंचरण के लिए चेहरे पर थप्पड़ मारने से दूसरा कोई बेहतरीन विकल्प नहीं है। मांसपेशियों को सक्रिय करने और रक्त प्रवाह को बढ़ाने तक ये थेरेपी आपको कोमल त्वचा देती है क्योंकि यह स्किन में कोलेजन के उत्पादन को उत्तेजित करती है जिसके कारण आपकी स्किन अंदर से ग्लोइंग करना शुरू कर देती है। इसके अलावा यह तकनीक आपकी त्वचा में क्रीम-सीरम और चेहरे के तेल को अधिक प्रभावी ढंग से अवशोषित करने में भी मदद करती है। हालांकि थप्पड़ मारने का यह बिल्कुल मतलब नहीं है कि खुद को चोट पहुंचाएं।

स्लैपिंग थेरपी काफी लोकप्रिय

कोरिया और अमेरिका में खूबसूरत स्किन के लिए स्लैपिंग थेरपी काफी लोकप्रिय हो रही है। लोग स्किन को सॉफ्ट रखने और रिंकल्स दूर करने के लिए इसका खूब इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन ध्यान रखें ऐसा करते वक्त आप अपने चेहरे पर उतना ही प्रेशर डालें जिससे प्रोडक्ट चेहरे में अच्छी तरह अब्जॉर्ब हो जाएं और फेशियल सेल्स में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर हो जाए। जब आप ऐसा करना शुरू करेंगी तब आपको खुद ही अपनी स्किन में फर्क महसूस होगा।

इन बातों का रखें ध्यान

यदि चेहरे की सफाई करने वाले ब्रश या ग्रिट्री स्क्रब का उपयोग करना पहले से ही आपकी स्किनकेयर रूटीन का हिस्सा है, तो चेहरे पर थप्पड़ मारने से आपको कोई नुकसान नहीं होगा। लेकिन, अगर थप्पड़ मारने से आपकी संवेदनशील त्वचा लाल हो जाती है, तो आपको हमें यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि यह उपाय आपके लिए नहीं है। ऐसा करने से आप बचें।

शहनाज गिल को मिला निखिल आडवाणी का अगला प्रोजेक्ट

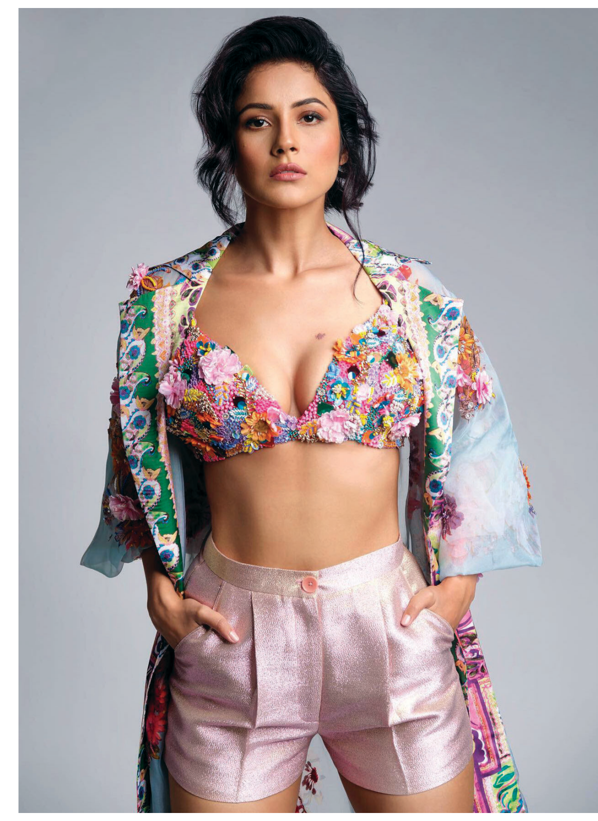

बिग बॉस स्टार शहनाज गिल अपने करियर को संवारने में लगी हुई हैं। अपने बॉलीवुड डेब्यू से पहले ही शहनाज एक फिल्मफेयर अवॉर्ड जीत चुकी हैं। वह अवॉर्ड शो और अन्य कार्यक्रमों में अक्सर नजर आती हैं। सोशल मीडिया पर शहनाज की चर्चा लगातार बनी रहती है। वह सलमान खान की फिल्म से अपना डेब्यू करने जा रही हैं। इसके अलावा अब उन्हें निखिल आडवाणी की एक फिल्म के लिए भी कास्ट किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, शहनाज को निखिल आडवाणी की एक फिल्म में कास्ट किया गया है। यह एक महिला प्रधान फिल्म है। इस फिल्म में वाणी कपूर भी नजर आएंगी। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म में शामिल हर अभिनेत्री का एक अहम किरदार होगा। फिल्म की शूटिंग मार्च में भोपाल में शुरू होगी। शूटिंग से पहले शहनाज अपना अभिनय और निखारने के लिए ट्रेनिंग भी ले रही हैं। फिल्म का निर्देशन मिताक्षरा कुमार करेंगी।

शहनाज गिल सलमान की फल्म किसी का भाई किसी की जान में नजर आएंगी। इस फिल्म में सलमान की जोड़ी पहली बार पूजा हेगड़े के साथ बनी है, वहीं भूमिका चावला और भाग्यश्री भी इसका हिस्सा हैं। फिल्म में जस्सी गिल भी नजर आएंगे। बिग बॉस 16 में दिखे अब्दु रोजिक भी फिल्म में दिखेंगे। साउथ के सुपरस्टार वैंकटेश भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फरहाज सामजी के निर्देशन में बनी यह फिल्म ईद के मौके पर रिलीज होगी।

शहनाज ने 2015 में म्यूजिक एल्बम शिव दी किताब से अपने करियर की शुरुआत की थी। हालांकि, इस एल्बम से उन्हें ज्यादा पहचान नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने मझे दी जट्टी और गैरी संधू के हौले-हौले में काम करके लोकप्रियता हासिल की। इसके बाद उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो में काम किया और धीरे-धीरे पंजाब की कैटरीना कैफ कहलाई जाने लगीं। जल्द ही वह गुरु रंधावा के साथ एक म्यूजिक वीडियो में नजर आने वाली हैं।

बिग बॉस 13 से शहनाज की लोकप्रियता पंजाब से निकलकर पूरे देश में फैल गई। बिग बॉस के घर में वह अपने हंसमुख और चुलबुले अंदाज के लिए जानी जाती थीं। शो के दर्शकों में शहनाज का एक अलग ही प्रशंसक वर्ग था। शो में सिद्धार्थ शुक्ला के साथ उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया। दर्शकों ने प्यार से इस जोड़ी को सिडनाज नाम दिया। 2021 में सिद्धार्थ के निधन के बाद प्रशंसकों ने शहनाज को खूब प्यार दिया।

इन होम्योपैथिक नुस्खों से जड़ से खत्म होगा दांत का दर्द

हम में से कई लोग अपनी जिदंगी में कभी न कभी दांत में दर्द से परेशान जरूर होते हैं। दांत में दर्द को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता है। अगर ऐसा करने की कोशिश भी करें तो असहनीय दर्द जीना मुश्किल कर देता है। दांत में दर्द की वजह से खाना और यहां तक कि बात करना या काम कर पाना भी मुश्किल हो जाता है।

ये एक आम समस्या है जो कभी न कभी हर इंसान को परेशान जरूर करती है। हालांकि, हर किसी को अलग-अलग वजहों से दांत में दर्द की शिकायत हो सकती है। किसी को दांत में कीड़ा लगने तो किसी को मसूड़ों में सूजन की वजह से दांत में दर्द हो सकता है। दांत में दर्द को दूर करने के लिए आपने अब तक आयुर्वेदिक उपायों और घरेलू नुस्खों के बारे में पढ़ा और सुना होगा लेकिन आपको बता दें कि दांत में दर्द के लिए होम्योपैथिक नुस्खे भी मौजूद हैं। यहां हम आपको दांत में दर्द के कुछ कारगर होम्योपैथिक नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं।

सिलिसिया:- दांत की रूट में पस पड़ने के कारण दांत में दर्द होने की समस्या को दूर करने के लिए सिलिसिया बेहतरीन होम्योपैथिक दवा है। पस पड़ने के कारण मसूड़ों और गालों में सूजन से राहत दिलाने में भी सिलिसिया मददगार है।

स्टेफिसेग्रिया:- दांतों में सेंसिटिविटी के साथ-साथ कुछ भी खाने या पीने पर दांत में दर्द होने की समस्या को स्टेफिसेग्रिया से ठीक किया जा सकता है। स्टेफिसेग्रिया मसूड़ों से खून आने और अत्यधिक लार बहने की भी असरकारी दवा है।

प्लांटेगो:- दांत में दर्द से छुटकारा पाने के लिए प्लांटेगो बहुत लोकप्रिय दवा है। ये दांतों में सेंसिटिविटी का इलाज करने में भी उपयोगी है। दांत का दर्द जब बढ़ कर कानों तक पहुंच जाए तो इस दिक्कत को भी दूर करने में प्लांटेगो प्रभावी है। दांत में गंभीरता और इससे जुड़ी किसी स्वास्थ्य समस्या के आधार पर प्लांटेगो को लगाने या खाने के लिया दिया जा सकता है।

अर्निका:- दांत निकलवाने और दांतों की फिलिंग के बाद मसूड़ों में होने वाले दर्द के इलाज में होम्योपैथिक दवा अर्निका बहुत उपयोगी है। अर्निका दर्द निवारक दवा के रूप में काम करती है। विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के होम्योपैथी इलाज में अर्निका का इस्तेमाल किया जाता है।

मर्क सोल:- हैलिटोसिस (सांस की बदबू)और अत्यधिक लार आने की वजह से लगातार दांत में दर्द महसूस हो सकता है। मर्क सोल से इस परेशानी से निजात पाई जा सकती है। मसूड़ों से खून आने, दांतों में ढीलापन और सेंसिटिविटी को भी इस दवा से ठीक किया जा सकता है।

अगर आपको भी किसी न किसी वजह से दांत में दर्द की शिकायत रहती है तो होम्योपैथिक नुस्खों की मदद से आप इस समस्या से हमेशा के लिए छुटकारा पा सकते हैं। एक बात का ध्यान रखें कि किसी भी बीमारी या स्वास्थ्य समस्या के लिए अनुभवी होम्योपैथिक चिकित्सक की सलाह के बाद ही होम्योपैथिक दवा का सेवन करना चाहिए।

माइक्रोवेव में झटपट बनाएं जा सकते हैं ये 5 तरह के व्यंजन

कुछ लोग गैस पर खाना बनाने से हमेशा बचते रहते हैं। ऐसे में उनके लिए माइक्रोवेव काफी उपयोगी हो सकता है। माइक्रोवेव में खाना गर्म करने के अलावा, कई तरह के स्वादिष्ट व्यंजन भी बनाएं जा सकते हैं। इसमें कुछ व्यंजन जल्दी बन सकते हैं और इसके लिए आपको बहुत ज्यादा मेहनत करने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। आइए आज हम आपको 5 व्यंजनों की ऐसी रेसिपी बताते हैं, जो माइक्रोवेव में झटपट बनाएं जा सकते हैं।

गाजर का हलवा

सबसे पहले कद्दूकस की हुई गाजर और घी को एक साथ मिलाएं, फिर इसे 5 मिनट के लिए माइक्रोवेव करें। इसके बाद इस मिश्रण में दूध और चीनी डालकर दोबारा से 10 मिनट के लिए माइक्रोवेव कर लें। अब मिश्रण को चम्मच से मिलाएं और फिर से 10 मिनट के लिए माइक्रोवेव करें। 10 मिनट के बाद हलवा माइक्रोवेव से बाहर निकालें और इसमें इलायची और मेवे डालकर 2 मिनट के लिए और माइक्रोवेव करने के बाद गरमागरम परोसें।

ब्राउनीज

सबसे पहले एक कटोरे में डार्क चॉकलेट और मक्खन डालकर इसे 20 सेकंड के लिए माइक्रोवेव में रखकर पिघला लें। अब एक दूसरा कटोरा लें और इसमें मैदा, चीनी और नाम डालकर अच्छे से फेंटें। इसके बाद दोनों मिश्रण को एक साथ मिलाएं। अब एक बेकिंग टिन लें और उसमें मिश्रण डालकर 2 मिनट के लिए माइक्रोवेव करें। जब यह अच्छे से पक जाए तो इसके ऊपर चॉकलेट सिरप डालकर परोसें।

आलू के चिप्स

इसे बनाने के लिए सबसे पहले कुछ आलू को अच्छे से धोकर छील लें और फिर इसे पतले स्लाइस में काटें। अब सभी चिप्स को एक कटोरे में डाल दें और इसमें जैतून का तेल और नमक डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इन चिप्स को माइक्रोवेव की प्लेट पर रखें और 3-4 मिनट के लिए माइक्रोवेव में क्रिस्पी होने तक अच्छे से पकाएं। इन चिप्स को टमाटर की केचअप के साथ गरमागरम परोसें।

पनीर टिक्का

सबसे पहले एक कटोरे में दही लें और उसमें लहसुन-अदरक का पेस्ट, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च पाउडर, अमचूर पाउडर, कसूरी मेथी , नींबू का रस और थोड़ा सिरका डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इसमें पनीर के टुकड़े डालें और फिर इसे कम से कम 2 घंटे के लिए अगल रख दें ताकि पनीर मिश्रण का स्वाद अच्छे से सोख लें। इसके बाद इसे माइक्रोवेव में लगभग 4-5 मिनट तक पकाएं।

वेनिला मग केक

इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक कप में थोड़ा मैदा, नमक, चीनी और बेकिंग पाउडर डालें। अब इसे अच्छे से मिलाएं ताकि सभी सामग्री अच्छी तरह से मिक्स हो जाए। इसके बाद इसमें दूध, थोड़ा मक्खन और वेनिला एसेंस डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इसके ऊपर चेरी डालकर कप को लगभग 70-90 सेकंड के लिए माइक्रोवेव में रख दें। जब केक अच्छे से फूल जाए तो इसे परोसें।

येलो गाउन पहने जॉर्जिया एंड्रियानी ने दिखाया ग्लैमरस अंदाज, फोटोज ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

एक्ट्रेस जॉर्जिया एंड्रियानी हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में रहती हैं। उनकी हॉटनेस के चर्चे आए दिन होते रहते हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने एक बार फिर से अपनी हॉटनेस का जादू फैंस के बीच चला दिया है। इन तस्वीरों में जॉर्जिया ने बेहद ही डीप नेक ड्रेस पहना हुआ है जिसमें वो किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। अपने स्टाइलिश अंदाज के साथ-साथ एक्ट्रेस जॉर्जिया एंड्रियानी अपने हॉट अवतार के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बेहद ही हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वो काफी ग्लैमरस नजर आ रही हैं। जॉर्जिया एंड्रियानी आए दिन अपनी हॉट तस्वीरें शेयर कर फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाती रहती हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस जॉर्जिया ने बेहद येलो कलर का डीप नेक थाई स्लिट ड्रेस पहना हुआ है। अपने इस लुक में अभिनेत्री बेहद ही स्टनिंग और हॉट नजर आ रही हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें शेयर करती हैं तो फैंस हमेशा उनकी तस्वीरों पर अपना दिल हार जाते हैं। ओपन हेयर और लाइट मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस इन दिनों बॉलीवुड एक्टर और प्रोड्यूसर अरबाज खान को डेट कर रही हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
Paul Sir
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

आप सफल होंगे तो हमारा प्रयास सार्थक होगा- डॉ.अलंग

रायगढ़। इस केन्द्र की शुरूआत इसलिए की गई है ताकि आपको यही पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर मार्गदर्शन मिले, आप सभी इसका भरपूर लाभ उठायें। जब आप सफ्ल होंगे तो हमें सबसे ज्यादा खुशी होगी तथा हमारा प्रयास सार्थक होगा। यह बातें संभागायुक्त डॉ.संजय अलंग ने पुसौर के मुख्यमंत्री यूथ सेंटर में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों से कही। वे सेंटर के निरीक्षण में पहुंचे थे। यहां उन्होंने छात्रों के अध्ययन-अध्यापन के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने छात्रों से सीधा संवाद भी किया। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त डॉ.अलंग ने यूथ सेंटर के लैब व लाईब्रेरी का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां इंटरनेट की सुविधा के साथ मासिक पत्रिकाएं भी उपलब्ध करवाने के लिए निर्देशित किया। संभागायुक्त डॉ.अलंग ने सूपा के आंगनबाड़ी केन्द्र का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने नन्हे बच्चों से मुलाकात की तथा आंगनबाड़ी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों के पोषण आहार तथा स्वास्थ्य जांच के बारे में जानकारी ली। सभी बच्चों के पोषण स्तर की नियमित जांच करने तथा कुपोषित बच्चों पर विशेष रूप से ध्यान देने के निर्देश उन्होंने अधिकारियों को दिए। मुंगफ्ली उगा रहे किसान के खेत में पहुंचे संभागायुक्त, किया उत्साहवर्धन निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त डॉ.अलंग सूपा के किसान श्री भुनेश्वर पटेल के खेत पहुंचे। श्री पटेल 10 एकड़ में मुंगफ्ली की खेती कर रहे है। उन्होंने कहा कि वे पहले इस जमीन पर रबी में भी धान की खेती करते थे। लेकिन अब वे शासन की योजनाओं का लाभ लेकर मुंगफ्ली की खेती को अपनाया है। संभागायुक्त डॉ.अलंग ने इसकी सराहना करते हुए कहा कि दूसरे किसान भी इससे प्रेरित होंगे।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने आज बच्चों को स्वर्ण प्राशन

रायपुर। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने 3 मार्च को रायपुर के शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया जाएगा। आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में हर पुष्य नक्षत्र तिथि में शून्य से 16 वर्ष के बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया जाता है। चिकित्सालय के कौमारभृत्य बाल रोग विभाग में सवेरे नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक इसका सेवन कराया जाता है। यह औषधि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, श्वसन संबंधी एवं अन्य रोगों से रक्षा करने के साथ ही एकाग्रता और स्मरण शक्ति बढ़ाने में अत्यंत लाभकारी है। यह बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में भी मदद करता है। शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय रायपुर के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. लवकेश चंद्रवंशी ने बताया कि आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय का उद्देश्य केवल बच्चों की बीमारियों का इलाज करना ही नहीं है, बल्कि उनके स्वास्थ्य की गुणवत्ता को बढ़ाना और उन्हें बीमार होने से बचाना भी है। स्वर्ण प्राशन हर महीने की पुष्य नक्षत्र तिथि में शून्य से 16 वर्ष के बच्चों को पिलाई जाने वाली औषधि है। डॉ. चंद्रवंशी ने बताया कि आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. जी.एस. बघेल, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. डॉ. प्रवीण कुमार जोशी और बाल रोग विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. नीरज अग्रवाल के निर्देशन में हर पुष्य नक्षत्र तिथि में महाविद्यालय चिकित्सालय में बच्चों के लिए स्वर्ण प्राशन का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष की आगामी पुष्य नक्षत्र तिथियों 3 मार्च, 10 सितम्बर, 7 अक्टूबर, 4 नवम्बर, 1 दिसम्बर और 29 दिसम्बर को बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया जाएगा।

ईको फ्रेंडली है गोबर पेंट

छत्तीसगढ़ में बन रहा है गोबर पेंट निर्माण का मजबूत नेटवर्क

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गोबर पेंट की मांग और उसकी लोकप्रियता को देखते हुए गोबर पैंट इकाईयों का मजबूत नेटवर्क विकसित किया जा रहा है। राज्य में अब तक 45 पैंट इकाईयों की मंजूरी दी जा चुकी है। इनमें 13 इकाईयां शुरू की जा चुकी है और 32 नई इकाईयां तैयार की जा रही है। गौठानों में विकसित किए जा रहे रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में गोबर से पैंट बनाने की इकाईयां स्थापित की जा रही है। इन इकाईयों में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को नियमित रूप से रोजगार भी मिल रहा है।

गोबर पेंट ईको फ्रेंडली होने के साथ-साथ बैक्टिरिया और फंगस रोधी है। यह पेंट कई रंगों में उपलब्ध है। इस पैंट के उपयोग से घरों के तापमान में भी कमी आती है। यह तुलनात्मक रूप से ब्रांडेड कम्पनियों के पैंट के मुकाबले सस्ता है। वहीं इसकी गुणवत्ता भी ब्रांडेड पैंट के बराबर है। गोबर पेंट के इन्हीं गुणों के कारण इसकी लोकप्रियता बढ़ती जा रही है।राज्य शासन द्वारा भी इसके उपयोग को बढ़ावा देने के लिए पहल की जा रही है। हाल में ही लोक निर्माण विभाग द्वारा एसओआर में इसे शामिल कर लिया गया है। अब शासकीय भवनों की रंगाई-पोताई गोबर पैंट से की जाएगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के इस फैसले से गोबर से पैंट बनाने की इकाईयों को मजबूती मिलेगी। उनका कारोबार बढ़ेगा। इससे ग्रामीणों को नियमित रूप से रोजगार भी मिलेगा। बालोद जिला राज्य का पहला कलेक्टोरेट है, जिसकी रंगाई-पोताई गोबर पेंट से की गई है। गोबर पैंट बनाने की इकाईयों में इमल्शन डिस्टेम्पर और पुट्टी भी तैयार की जा रही है।

ऐसे तैयार होता है पेंट

गोबर से पेंट बनाने की प्रक्रिया में पहले गोबर और पानी के मिश्रण को मशीन में डालकर अच्छी तरह से मिलाया जाता है और फ्रि बारीक जाली से छानकर अघुलनशील पदार्थ हटा लिया जाता है। फ्रि हाइड्रोजन परोक्साइड और सोडियम हाइड्रोक्साइड जैसे ब्लीचिंग रियजेंट का उपयोग करके उसे ब्लीच किया जाता है तथा स्टीम की प्रक्रिया से गुजारा जाता है। उसके बाद सी.एम.सी नामक पदार्थ प्राप्त होता है। इससे डिस्टेम्पर और इमल्शन के रूप में उत्पाद बनाए जाते हैं। लगभग एक लीटर पैंट में 20 प्रतिशत कार्बोक्सि मिथाइल सेल्यूलोज (सी.एम.सी.) तथा 80 प्रतिशत अन्य रसायन का उपयोग किया जाता है। गोबर पैंट की हर इकाई में प्रतिदिन 200 लीटर पैंट बनाया जा रहा है।

गोबर पेंट की इकाईयां

गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने के लिए कुल 45 पेंट उत्पादन यूनिट की स्वीकृति दी गई है। जिसमें 13 की स्थापना पूरी कर वहां उत्पादन शुरू कर दिया गया है। रायपुर जिले में 2 यूनिट स्थापित हुई है, जबकि कांकेर, दुर्ग, बालोद, कोरबा, कोरिया, कोण्डागांव, दंतेवाड़ा, बीजापुर, बेमेतरा, सूरजपुर एवं बस्तर जिले में 1-1 यूनिट स्थापित एवं क्रियाशील हो चुकी हैं।

30 हजार लीटर गोबर पेंट उत्पादित

रायपुर जिले की 2 यूनिटों में अब तक सर्वाधिक 11 हजार लीटर, कांकेर में 7768 लीटर, दुर्ग में 2900, बालोद में 700, कोरबा में 284, कोरिया में 800, कोण्डागांव में 2608, दंतेवाड़ा में 1443, बीजापुर में 800, बेमेतरा में 300, सूरजपुर में 500 एवं बस्तर में 1160 लीटर प्राकृतिक पेंट का उत्पादन हुआ है। उत्पादित पेंट का विक्रय भी किया जा रहा है।

बैठक में छत्तीसगढ़ विधान सभा घेराव पर हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रदेश नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव के नेतृत्व पर दिनांक 15 मार्च 2023 को छत्तीसगढ़ विधानसभा का घेराव के संदर्भ में नगरीय निकाय प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक प्रफुल्ल विश्वकर्मा एवं भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई के जिलाध्यक्ष बृजेश बिजपुरिया द्वारा कार्यक्रम की रूप रेखा एवम मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

नगरीय निकाय प्रकोष्ठ प्रदेश सह-संयोजक संजय जे.दानी, दुर्ग संभाग प्रभारी चंद्रकला मांडले कार्यक्रम की मिनट टू मिनट जानकारी देने हेतु दिनाँक 04/03/2023 शनिवार को 3 बजे होटल सेंट्रल पार्क सुपेला में रखा गया है जिसमें नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, नगर निकाय प्रकोष्ठ के जिला संयोजक दीपक रावना, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य प्रमोद सिंह, प्रशान्त कुमार उपस्थित रहेंगे द्य नगर पालिक निगम भिलाई के पार्षदगण एवम छाया पार्षदगणों की आवश्यक बैठक आहूत की गई है,उक्त आवश्यक बैठक में आप सभी पार्षदों व छाया पार्षदों की उपस्थिति अनिवार्य है।

एकलव्य आवासीय विद्यालय के लिए चयन परीक्षा 23 अप्रैल को

सूरजपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय आदिम जाति कल्याण आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति द्वारा संचालित एकलव्य आवासीय विद्यालय में प्रतिवर्ष की भांति प्रवेश शिक्षण सत्र 2023-24 में प्रति विद्यालय में अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को कक्षा 6 वीं में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा का आयोजन 23 अप्रैल 2023 दिन रविवार को प्रात: 10:00 बजे से 12:00 बजे तक जिला स्तर पर आयोजित की जावेगी। प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र विभागीय वेबसाईट पर 20 मार्च 2023 तक भर सकेंगे।

सड़क डामरीकरण कार्य का महापौर नीरज पाल ने लिया जायजा

भिलाई की सड़के हो रही दुरूस्त, आवागमन हो रहा आसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महापौर नीरज पाल ने सड़क डामरीकरण कार्य का निरीक्षण अधिकारियों के साथ किया। उन्होने नेहरू नगर से सुर्या मॉल तक होने वाले सड़क डामरीकरण कार्य का जायजा लिया। भिलाई की शहर सरकार के चलते प्रमुख सड़कों का डामरीकरण, संधारण, पेंचवर्क आदि के माध्यम से सड़कों को सुगम बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसी के तहत नेशनल हाईवे से नेहरू नगर होते हुए सुर्या मॉल चौक की सड़क का भी कायाकल्प किया जा रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में कुछ दिन पूर्व महापौर ने भूमि पूजन कर इस कार्य को प्रारंभ कराया था। जिसके कार्य का प्रोसेस आज महापौर ने देखा और उन्होने अधिकारियों को गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये। इस दौरान अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, वार्ड क्रं. 03 के पार्षद हरिओम तिवारी, कार्यपालन अभियंता संजय शर्मा तथा स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा, महापौर के निज सचिव वसीम

खान व उपअभियंता अर्पित बंजारे आदि मौजुद रहे। नेहरू नगर चौक से लेकर सुर्या मॉल तक 02 फेस में सड़क का काम किया जा रहा है। सड़क के दोनो ओर डामरीकरण का कार्य हो रहा है। उल्लेखनीय है कि नेहरू नगर से सुर्या मॉल जाने वाली सड़कों पर प्रतिदिन हजारो वाहन गुजरते है। सड़क डामरीकरण हो जाने से आवागमन सुगम होगा, बरसात के दिनों में होने वाली परेशानियों से निजात मिल जायेगा, वही बेतरतीब गढढो से राहगीरों को राहत मिलेगी। काफी दिनो से इस सड़क को ठीक करने की मांग की जा रही थी। जिसे देखते हुए महापौर नीरज पाल की पहल पर इस प्रमुख सड़क का डामरीकरण किया जा रहा है।

राजस्व मामलों के समाधान के लिए आयोजित शिविर में भारी संख्या में लोग पहुंचे तहसील कार्यालय

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़-बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ.फरिहा आलम सिद्दकी के निर्देशानुसार राजस्व मामलों के त्वरित निराकरण करने के लिए आज सारंगढ़ तहसील में सुबह 10.30 बजे से वृहद राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती मोनिका वर्मा, तहसीलदार श्री शनि पैंकरा एवं श्री आयुष तिवारी, साथ ही समस्त राजस्व निरीक्षक एवं संबंधित पटवारी समस्याओं के समाधान के लिए उपस्थित रहे। सारंगढ़ तहसील कार्यालय में सुबह से लोग भारी संख्या में अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे। उक्त राजस्व शिविर में राजस्व प्रकरणों के नामांतरण, बंटवारा, आरबीसी 6-4, द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका, रिकार्ड दुरुस्ती, सीमांकन, खाता विभाजन, किसान

किताब, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, डायवर्सन कर वसूली, भू-अर्जन, डिजिटल हस्ताक्षर एवं राजस्व से संबंधित अन्य प्रकरणों का निराकरण एवं अन्य आवेदन पत्र प्राप्त कर शिविर में निराकरण किये जाने योग्य आवेदनों का शिविर में निराकरण तथा अन्य पत्रों का समय-सीमा में निराकरण किये जाने हेतु एवं प्राप्त आवेदनों का निराकरण का कार्य किया गया।

ग्राम केडार निवासी केवराभाई पति देव नारायण ने अपनी समस्या बताई की उनका ऋण पुस्तिका गुम हो गया था, राजस्व शिविर में आकर उन्होंने आवेदन किया, जिस पर तत्काल उन्हें नया ऋण पुस्तिका प्रदान किया गया। कोरबा से सारंगढ़ जाति प्रमाण पत्र बनाने आए हितग्राही ने बताया कि इस राजस्व शिविर के माध्यम से आज ही उनकी समस्या का निराकरण हो गया, जिस पर उन्होंने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। हरदी निवासी अनिल कुमार जिनका प्रमाणीकरण हो चुका था, उन्हें ऋण पुस्तिका प्राप्त नहीं हुआ था, शिविर के माध्यम से उन्हें ऋण पुस्तिका प्रदान किया गया। गोड़म निवासी गोमती बेवा करमु एवं भामा पिता करमु अपने ऋण पुस्तिका संबंधी समस्या को लेकर शिविर में आए थे, लंबे समय से जानकारी के अभाव में उनका ऋण पुस्तिका बन नहीं पा रहा था, राजस्व शिविर में आकर तत्काल ऋण पुस्तिका पाकर उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए शासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। ग्राम जिल्दी निवासी श्याम बाई ने जमीन विक्रय किया था जिसका प्रमाणीकरण लंबित था, राजस्व शिविर में आकर उनकी समस्या का तत्काल निराकरण हुआ जिसके लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को धन्यवाद दिया। ग्राम हरदी निवासी सुकराम नामांतरण और ऋण पुस्तिका संबंधी समस्या लेकर आए थे, आज के विशेष राजस्व शिविर के माध्यम से उनकी समस्या का निराकरण किया गया, श्री सुकराम ने जिला का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह शासन की प्रशंसनीय पहल है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत गरीब परिवार के पुत्रियों के विवाह

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित जनहितकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए सूचना शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सूचना शिविर से लोगों को योजनाओं और उसके लाभ के बारे में जानकारी मिल रही है। इसी कड़ी में जनसंपर्क विभाग द्वारा आज विकासखण्ड कोरबा के ग्राम पंचायत गोढ़ी में सूचना शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा बच्चों एवं महिलाओ के विकास के लिए संचालित योजनाओं के बारे में बताया गया।

इसके अंतर्गत ग्रामीणों को पोषण पुनर्वास केंद्र, बाल संदर्भ योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, नोनी सुरक्षा योजना एवं मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत बीपीएल परिवार की पुत्रियों के विवाह के लिए शासन द्वारा 25 हजार रुपए की सहायता के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया गया। शिविर में मछली पालन विभाग द्वारा किसानों के लिए हितकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके अंतर्गत मछली पालन करने के लिए किसानों को शासन द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं और रियायतों के बारे में विस्तार से बताया गया। पशुधन विभाग द्वारा राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना तथा पशुपालन के लिए किसानों को दी जाने वाली अनुदान के बारे में बताया गया। बैकयार्ड कुक्कुट पालन इकाई के तहत मुर्गी पालन के लिए दिए जाने वाले अनुदान के बारे में बताया गया। साथ ही बकरी पालन के तहत उन्नत नस्ल के बकरियों के पालन के लिए शासन द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में बताया गया। शिविर में जनपद अध्यक्ष कोरबा श्रीमती हरेश कंवर, जनपद सदस्य श्रीमती सावित्री देवी ,अतिरिक्त सीईओ जनपद कोरबा श्रीमती माहेश्वरी, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कोरबा श्री संजय अग्रवाल, बीआरसीसी श्री अनिल रात्रे सहित गोढ़ी के ग्रामीणजन और आसपास गांव करूमहुआ, बेंदरकोना पंचायत के सचिव भी मौजूद रहे।

जनसंपर्क विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए गावों में सूचना शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सूचना शिविर में लोगों को विभिन्न शासकीय योजनाओं और उसके लाभ के बारे में जानकारी दी गई। शिविर में जनसंपर्क विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं की जानकारी से संबंधित प्रचार पुस्तिकाओं जैसे हमर माटी हमर कलेवा हमर तिहार, भेट मुलाकात आपके साथ आपकी बात, न्याय के चार साल, जनमन पत्रिका एवं संबल आदि पुस्तिकाओं का वितरण किया गया। सूचना शिविर में शिक्षा विभाग, खाद्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, महिला बाल विकास विभाग, उद्यानिकी विभाग, राजस्व, कृषि, वन, विद्युत विभाग एवं क्रेडा सहित अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित होकर लोगों को अपनी-अपनी विभागों में संचालित योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में लोगों को मिलेट मिशन योजना, गोधन न्याय योजना, शहीद महेंद्रकर्मा तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना, महिला कोष, हाफ बिजली बिल योजना, वृक्ष संपदा योजना सहित अन्य योजनाओं की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि सभी विकासखण्डों में एक-एक दिवसीय सूचना शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 03 मार्च को करतला के बेहरचुंआ और 04 मार्च को विकासखण्ड पाली के ग्राम हरदीबाजार में सूचना शिविर का आयोजन किया जाएगा।

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshi gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

पुलिस की कार्रवाईः सौतेले पिता की हत्या कर पांच साल से फरार 2 भाई गिरफ्तार

जांजगीर (ए)। पारिवारिक झगड़े के कारण सौतेले बेटों ने पिता का गला घोटकर हत्या कर दी और फरार हो गए। पांच साल से दोनों आरोपी फरार थे। आरोपी खुद की शादी करने की तैयारी में था, तभी चांपा पुलिस की टीम को आरोपियों के बिहार में होने की जानकारी मिली। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला चांपा थाना क्षेत्र का है।

बिहार के विजयनगर का रहने वाला युवक धरमवीर ने सोमोदेवी की दूसरी शादी की थी। वर्ष 2019 में धमरवीर अपनी पत्नी सोमो देवी के साथ चांपा में रहकर रोजी मजदूरी का काम करता था। 11 दिसम्बर 2019 को रात में सोमोदेवी अपने बेटे छोटू कुमार, संदीप कुमार एवं अपने बेटी के साथ चांपा स्थित निधि भवन में थी, इसी बीच धरमवीर वर्मा घर आया तो खाना खाने के बाद छोटू कुमार से पारिवारिक विवाद हो गया।

गुस्से में आकर छोटू कुमार ने धरमवीर वर्मा की गला दबाकर हत्या कर दी। घटना के बाद मृतक की पत्नी सोमोदेवी, बेटे संदीप कुमार और बेटी ने मिलकर धरमवीर की लाश को जूट के बोरे में भरकर घर के पीछे तालाब में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या और साक्ष्य छुपाने का मामला दर्ज किया था। मामले में सोमोदेवी को पहले ही जेल भेज दिया, गया था जबकि आरोपी छोटू कुमार, संदीप सिंह व 1 अन्य आरोपी फरार हो गए थे।

घर से फरार आरोपीः घरेलू विवाद पर टांगी से वार कर पत्नी की हत्या

अंबिकापुर (ए)। जिले के कुन्नी इलाके में एक ग्रामीण ने घरेलू विवाद पर अपनी पत्नी की टांगी से वार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद उसने चचेरे भाई को इसकी जानकारी दी तो मामला सामने आया। पुलिस ने आरोपी ग्राम कुन्नी निवासी पति अमृत एक्का को गिरफ्तार कर वारदात में इस्तेमाल टांगी जब्त कर लिया है। पुलिस ने बताया कि घटना 28 फरवरी की है। आरोपी ने चचेरे भाई को घटना की जानकारी देने के बाद घर से फरार हो गया।

पुलिस उसे तलाश रही थी और गुरुवार को उसे गिरफ्तार किया गया। उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली है। उसकी निशानदेही पर घर से वारदात में इस्तेमाल टांगी भी जब्त कर लिया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

पुलिस की कार्रवाईः पांच बाइक के साथ पकड़े गए चोरी के दो आरोपी

रायगढ़। गुरुवार को पुसौर पुलिस ने चोरी की पांच बाइक के साथ चोरी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ग्राम कर्राजोर के जयकिशन बेलाल के पास चोरी की होने की सूचना मिलने पर पुसौर पुलिस ने छापेमारी कर जयकिशन को हिरासत लिया। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने बताया कि कोड़ातराई के सहयोगी विनोद साव के साथ मिलकर उसने बाइक चुराई हैं। आरोपी जयकिशन का पूर्व में भी बाइक चोरी के आरोप में चालान किया गया था। आरोपियों ने पूछताछ में रायगढ़ के जूटमिल इलाके और बरमकेला क्षेत्र से चोरी कर घर के पीछे बाड़ी में छिपा कर रखे हुए थे आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की 04 एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल और 01 टीवीएस कंपनी का स्टार बाइक कुल कीमत करीब एक लाख 15 हजार का बरामद किए गए।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

पत्नी को ससुराल छोड़कर लौट रहा था युवक, 4 दिन पहले हुई थी शादी

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में तेज रफ्तार बाइक खड़ी ट्रक से जा टकराई, जिससे युवक की मौत हो गई। युवक की चार दिन पहले ही शादी हुई थी और वह अपनी पत्नी को लेकर ससुराल आया था। वह पत्नी को छोड़कर अपने रिश्तेदार के घर से लौट रहा था। तभी ये हादसा हो गया। वहीं, दूसरी घटना में तेज रफ्तार ट्रेलर खड़ी ट्रेलर से टकरा गई, जिससे ड्राइवर की मौत हो गई। घटना सीपत और रतनपुर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार कोरबा जिले के उरगा थाना क्षेत्र के दमखांचा निवासी राजू गोंड़ रोजी-मजदूरी करता था। उसकी शादी सीपत क्षेत्र के ग्राम खांडा में 26 फरवरी को हुई थी। वह अपनी पत्नी को लेकर बारात के साथ गांव लौट गया था। गुरुवार को वह अपनी पत्नी संगीता को लेकर ससुराल आया था। यहां पर मंडप निकालने का रस्म होना था।

रिश्तेदार के घर से लौटते समय हुआ हादसा

राजू अपनी पत्नी को उसके घर में छोड़ने के बाद वह खम्हरिया में रहने वाले रिश्तेदार के घर चला गया था। रिश्तेदारों से मिलने के बाद वह अपनी बाइक से ससुराल लौट रहा था। अभी वह लुतरा के राउतराय मैदान के सामने पहुंचा था, जहां सड़क किनारे ट्रेलर खड़ी थी। युवक की बाइक काफी तेज रफ्तार में थी। तभी अचानक उसकी बाइक खड़ी ट्रेलर से जा टकराई। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल राजू की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। उसके पास मिले दस्तावेज से पहचान कर पुलिस ने परिजन को सूचना दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मातम में बदली खुशियां

घटना की सूचना मिलते ही राजू के ससुराल वाले बड़ी संख्या में लुतरा पहुंच गए। मृतक के साले अजीत ने बताया कि शादी के बाद उनकी बहन संगीता और दामाद पहली बार घर आए थे। शादी के बाद मंडप उतारने का रस्म होना था। इस हादसे के बाद परिवार की खुशियां मातम में बदल गई।

हाईवे में खड़ी ट्रेलर से टक्कर, ड्राइवर की मौत

इधर, उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के नगरा थाना क्षेत्र के बांधपर निवासी रामनाथ यादव ड्राइवर है। वह कोरबा जिले के दीपका में एसकेएस ट्रांसपोर्ट में काम करता है। उसी कंपनी में उसका चचेरा भाई संजय कुमार यादव भी ड्राइवर था। संजय बीते बुधवार की रात दीपका से कोयला लेकर रतनपुर की ओर आ रहा था। खूंटाघाट के पास हाईवे में संजय के वाहन के सामने चल रहे ट्रेलर का ब्रेक डाउन हो गया। इससे सामने चल रहा ट्रेलर अचानक रूक गया, जिससे संजय अपनी ट्रेलर को नियंत्रित नहीं कर सका। देखते ही देखते ट्रेलर सामने खड़े ट्रेलर से जा टकराया, जिससे सामने का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में संजय केबिन में फंस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आबकारी विभाग ने छापा मारकर दो लोगों से जब्त की 178 लीटर विदेशी मदिरा

दुर्ग। कलेक्टर के निर्देशानुसार उपायुक्त आबकारी अधिकारी नोहर सिंह ठाकुर एवं जिला आबकारी अधिकारी अशोक सिंह के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब धारण विक्रय एवं परिवहन की सूचना पर त्वरित कार्यवाही कर 2 अलग-अलग प्रकरण कायम किये गए। जिसमें आरोपी आशाराम यादव पिता गंगाराम यादव साकिन - मोहरेंगा थाना नंदिनी नगर विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर विवेचना के बाद कार्यवाही कर उसे जेल दाखिल किया गया। उनके पास एक काले रंग के बैग में 76 नग पाव देशी मदिरा मसाला एवं एक भूरे रंग के बैग में 78 नग पाव विदेशी मदिरा गोवा प्रत्येक पाव की क्षमता 180 मि.ली. कुल मात्रा 27.72 बल्क लीटर जब्त किया गया।

इसी प्रकार आरोपी दुष्यंत चंद्राकर आ. स्व. महेन्द्र सिंह चंद्राकर साकिन ग्राम तर्रा के रिहायशी मकान से कुल 151.2 - ब.ली. देशी मदिरा मसाला, प्लेन बरामद कर उक्त आरोपी के विरूद्ध प्रकरण कायम कर कार्यवाही हेतु आरोपी को न्यायिक रिमांड मे लिया गया।

कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी सुश्री जेबा खान, दीपक कुमार ठाकुर, अशोक अग्रवाल, आबकारी उप निरीक्षक नीलम स्वर्णकार, भुनेश्वर सिंह सेंगर, स्वाति चौरसिया, रामानंद दीवान आबकारी मुख्य आरक्षक प्रहलाद सिंह राजपूत, अशोक वर्मा एवं आबकारी आरक्षक विजय वर्मा, फागी टंडन, अशोक वर्मा, देव प्रसाद पटेल महिला आरक्षक संगीता धूव तथा ड्राइवर जे. दीपक राजू, दुर्गेश कुर्रे व नोहर साहू कार्यवाही दौरान उपस्थित रहे। विभाग द्वारा कार्यवाही कर छ.ग. आबकारी अधिनियम 1915 की धाराओं के तहत कायम कुल 02 प्रकरणों में 178.92 बल्क लीटर मदिरा जप्त की गई है।

एसपी के ऑपरेशन निजात का असर, गांजा, शराब और नशीली दवा बेचने वालों पर हुई ताबड़तोड़ कार्रवाई, एक महीने में 635 गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में नशे के खिलाफ ऑपरेशन निजात का असर दिखने लगा है। बीते माह इस अभियान के तहत पुलिस ने 635 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें 124 लोगों के खिलाफ गैरजमानतीय केस दर्ज कर उन्हें भेज भेजा गया है। ये सभी वो आरोपी हैं, जो जिले में गांजा, शराब सहित नशे का सामान बेच रहे थे। आबकारी और एनडीपीएस एक्ट की इस कार्रवाई में पुलिस ने 28 लाख रुपए कीमती नशे का सामान बरामद किया है।

एसीप संतोष सिंह ने जिले में कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही नशे के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है, जिसे ऑपरेशन निजात नाम दिया गया है। इसके तहत गांजा, शराब और नशे का सामान बेचने वालों की धरपकड़ कर ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान को अब लोगों का सपोर्ट भी मिल रहा है। यही वजह है कि नशे का सामान बेचने वालों के खिलाफ लोग खुद होकर शिकायत कर रहे हैं।

एसपी संतोष सिंह ने बताया कि निजात अभियान के तहत बीते एक माह में 132 किलो गांजा, दो हजार 96 प्रतिबंधित नशीली इंजेक्शन, 294 कफ सिरप, 104 प्रतिबंधित नशीली टेबलेट, 15 ग्राम चरस व नशे का ट्यूब साल्यूशन जब्त किया गया। इसके साथ कोटपा एक्ट के तहत 11 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

उन्होंने बताया कि ऑपरेशन निजात को हर स्तर पर अमल में लाया जा रहा है। यहां तक ड्रंक एंड ड्राइव यानि की शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। इसके तहत अब तक 207 लोगों को नशा करके वाहन चलाते पकड़ा गया है। इसके साथ ही सार्वजनिक जगहों पर बैठकर नशा करने वाले 338 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

इस अभियान के दौरान पुलिस की टीम 86 शैक्षणिक संस्थानों पर गई और 204 जगहों पर आम लोगों की बैठक भी ली गई है। इसमें लोगों को नशे से दूर रहने और नशे के कारोबारियों की जानकारी पुलिस के साथ साझा करने की अपील की गई है। इसके साथ ही पुलिस की टीम मोहल्लों में जाकर लोगों को जागरूक कर रही है।

सट्टा संचालित करते अलग-अलग स्थानों में 32 सटोरिए गिरफ्तार

दुर्ग। पुलिस ने दुर्ग शहर के अलग-अलग इलाकों से एक ही दिन में 32 सटोरियों को पकड़ा है। सभी के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। दरअसल, सीएसपी दुर्ग के निर्देशन पर पद्मनाभपुर थाना पुलिस द्वारा ऑफलाइन सट्टा के 4 ठिकानों में दबिश देकर 8 लोगों को 28 हजार रुपए के साथ पकड़ा है। उतई तिराहा, बोरसी मार्केट, धनोरा, आजाद चौक पर पुलिस ने यह कार्रवाई की।

दुर्ग सीएसपी वैभव ने बताया कि, पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी सिटी कोतवाली दुर्ग द्वारा आज अवैध सट्टा खिलाने वालों के विरूद्ध अभियान छेड़कर सख्त कार्रवाई की गई। जिसमें सट्टा अभियान के तहत आरोपियों द्वारा बजरंग चैक नयापारा, चंडी मंदिर चैकी, गयानगर दुर्ग में लोगों को रूपये पैसों का दांव लगवाकर सट्टा पट्टी नामक जुआ खिलवा रहे थे। मुखबिर की सूचना पर रेड कार्यवाही कर सट्टा लिखने वालों को पकड़ा गया। आरोपियों के खिलाफ धारा 4(क) जुआ एक्ट की कार्रवाई की गई है, और आगे भी सटोरियों के विरुद्ध कार्रवाई जारी रहेगी।

2 हजार रुपए के लिए राजधानी में बीबीए के स्टूडेंट की हत्या, गुलदस्ता बनाने वाली कैंची से किया वार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में गुरुवार की रात को मात्र 2 हजार रुपए के लिए बीबीए के छात्र की हत्या कर दी गई। छात्र के एक युवक से लेनदेन का विवाद था। विवाद के बाद युवक ने गुलदस्ता बनाने में इस्तेमाल किए जाने वाले कैंची से युवक पर वार कर दिया। काफी मात्रा में खून बह जाने से छात्र की मौत हो गई। छात्रा राजधानी रायपुर के बड़े चार्टर्ड अकाउंटेंट का बेटा था। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना समता कॉलोनी क्षेत्र की है। बीबीए का छात्र प्रियांशु अग्रवाल (19) कृष्णा एडलैब्स के पास दोस्तों से बातें कर रहा था। रात को लगभग 8:30 से 9 बजे के बीच रोहित यादव (19) नाम युवक पहुंचा और प्रियांशु से रुपए के लेनदेन को लेकर विवाद करने लगा। इसके बाद रोहित यादव मारपीट करने लगा। विरोध करने पर उसने अपने पास से एक कैंची निकाली और प्रियांशू पर कई वार कर दिए। यह देख उसके बाकी साथी भाग गए। प्रियांशु वहीं धड़ाम हो गया। काफी खून बह जाने से उसकी मौत हो गई। इसके बाद रोहित यादव वहां से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शुरुआती जांच के बाद शव को मरच्यूरी में रखवा दिया गया। घटना के कुछ देर बाद ही पुलिस ने आरोपी रोहित यादव को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद समता कॉलोनी क्षेत्र में तनाव का महौन दिखा। मृतक प्रियांशु यहां के बड़े कारोबारी के सीए सुरेश अग्रवाल का बेटा है। समता कॉलोनी में ही उनकी दुकान है। बताया जा रहा है कि रोहित यादव उगाही का काम करता है और वह किसी हिस्ट्रीशीटर के संपर्क में था। वह प्रियांशु से जबरन उगाही करने के लिए दबाव बना रहा था इसी को लेकर विवाद हुआ। फिलहाल पुलिस घटना के अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

कार्यालय अधीक्षक जिला जेल संजारी बालोद जिला - बालोद छ.ग.

(प्रथम वार्षिक / अर्धवार्षिक निविदा सूचना)

वार्षिक निविदा वर्ष 2023 2024

पत्र क्रमांक 8551 / निर्वाह / 2023 **बालोद/दिनांक 28.02.2023**

जिला जेल संजारी बालोद में परिरूध्द बंदियों हेतु सब्जियां, खाद्यान एवं अन्य आवश्यक सामाग्रियां क्रय हेतु वार्षिक शील बंद निविदायें दिनांक 27.03.2023 को दोपहर 01:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक व्यापारी निविदा फार्म एवं निविदा से संबंधित संपूर्ण अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर 3000/- रूपये (तीन हजार रूपये मात्र) नगद भुगतान कर दिनांक 24.03.2023 की अपरान्ह 1.00 बजे तक कार्यालयीन दिवस में प्राप्त कर सकते है या जेल मुख्यालय के वेबसाईट jail.cg.gov.in से भी प्राप्त किया जा सकता है, बशर्ते निविदा प्रपत्र जमा करने के पूर्व आवेदन शुल्क कार्यालय में जमा करना होगा ।

निविदा बिक्री की अंतिम तिथि : 24.03.2023 समय अपरान्ह 01:00 बजे तक
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि : 27.03.2023 समय अपरान्ह 01:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि : 27.03.2023 समय अपरान्ह 04:00 बजे तक
स्थान : जिला जेल संजारी बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.)

जेल अधीक्षक
जिला जेल संजारी बालोद
जिला - बालोद छ.ग.

जी-98986/3

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

एमआईसी बैठकः नेवई थाना का मरम्मत कराएगा रिसाली निगम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। चार दशक पहले बने नेवई थाना का मरम्मत नगर पालिक निगम रिसाली जल्द कराएगा। गुरूवार को महापौर शशि सिन्हा की अध्यक्षता में महापौर परिषद की हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। परिषद के सदस्यों ने गर्मी के दिनों में पानी की किल्लत को दूर करने बनी योजना पर भी मुहर लगाई।

महापौर परिषद में चर्चा की शुरूआत नेवई थाना से हुई। एजेंडे में शामिल विषय पर लोक निर्माण विभाग प्रभारी अनुप डे ने कानून व्यवस्था के लिए बने नेवई थाना के जर्जर भवन को ठीक कराने चर्चा की। उन्होंने कहा कि थाना का वास्ता प्रत्येक व्यक्ति से होता है। चार दशक पहले बने थाना भवन वर्तमान समय में जर्जर हो चुका है। कभी भी बड़ी घटना हो सकती है। ऐसे में हमे थाना मरम्मत कराने अभिनव पहल करनी चाहिए। चर्चा उपरान्त सभी पार्षद सद्स्यों ने मरम्मत कराने एक स्वर में अपनी स्वीकृति दी। एमआईसी बैठक में सभापति केशव बंछोर, चन्द्रभान ठाकुर, अनुप डे, गोविन्द चतुर्वेदी, सनीर साहू, ईश्वरी साहू, परमेश्वर कुमार समेत सहायक अभियंता आर.के. जैन व विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

पेयजल पाइप लाइन का होगा विस्तार

महापौर परिषद के सद्स्यों ने गर्मी में पेयजल संकट को दूर करने पाइप लाइन विस्तारीकरण योजना को शीघ्र पूरा करने का प्रस्ताव पारित कर दर अनुमोदन की। मरोदा में यश साहू घर से मनोज साहू घर तक पाइप लाइन विस्तारी कार्य 49.15 लाख एवं जोरातराई बागपारा सुरेन्द्र नायक घर से लक्ष्मी साहू घर तक 48.94 लाख से पाइप लाइन बिछाने प्रस्ताव रखा गया था।

5 अतरिक्त कक्ष का होगा निर्माण

स्वामी आत्मानंद स्कूल में निर्माण कार्य में 44 लाख खर्च की जाएगी। इस राशि से 5 अतरिक्त कक्ष का निर्माण किया जाएगा। 2 अध्ययन कक्ष, 1 हॉल व शौचालय शामिल है। चर्चा के दौरान स्कूल भवन के सीढ़ी प्रवेश स्कूल के भीतर करने का निर्णय लिया गया।

पानी बर्बादी को रोकने तालपुरी में लगेगा मीटर

रिसाली निगम के तालपुरी में पानी बर्बादी को रोकने घरों में मीटर लगाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि तालपुरी में कई ब्लाक खाली है। देख रेख के अभाव में छत में लगा सिन्टेक्स से पानी व्यर्थ बहते रहता है। मीटर लगने से व्यर्थ बहने वाले पानी को रोका जा सकता है। साथ ही पानी के खपत के हिसाब से आने वाले समय बिलिंग भी किया जा सकेगा। मीटर लगाने प्रस्ताव को निगम स्वीकृति के लिए शासन को प्रेषित किया है।

खास - खबर

सेल-बीएसपी ने यूटिलिटीज के मुख्य महाप्रबंधक जी ए सोरते को दी विदाई

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता और भिलाई इस्पात संयंत्र के वरिष्ठ प्रबंधन ने 28 फरवरी 2023 को इस्पात भवन के निदेशक प्रभारी के कक्ष में संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी जी ए सोरते को भावभीनी विदाई दी। जी ए सोरते जुलाई 1989 में एमटीटी के रूप में सेल में शामिल हुए। उन्होंने केमिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया था। एमटीटी के रूप में प्रशिक्षण के बाद श्री सोरते को जुलाई 1990 में ऑक्सीजन प्लांट-1 में जूनियर मैनेजर के रूप में नियुक्त किया गया, जहाँ वे 2002 में पदोन्नत होकर ऑक्सीजन प्लांट-1 के सीनियर मैनेजर बने। श्री सोरते को 2007 में सहायक महाप्रबंधक के रूप में ऑक्सीजन प्लांट-2 में स्थानांतरित किया गया था, जहां वे जून 2013 में डीजीएम और 2019 में महाप्रबंधक बने। जून 2020 में, उन्हें मुख्य महाप्रबंधक (यूटिलिटिज) के पद पर पदोन्नत किया गया। फरवरी 2023 में, उन्हें मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी के रूप में यूटिलिटीज का प्रभार दिया गया था। श्री सोरते ने कोविड-19 संकट काल के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मृतक के परिजन को मिली 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता

दुर्ग। ग्राम आलबरस, तहसील व जिला दुर्ग निवासी स्व. योगेश्वर देशमुख एवं बैकुंठनगर, कैम्प 2 भिलाई, दुर्ग निवासी स्व. राजा आलम की दुर्घटनावश मृत्यु हो जाने पर स्व. योगेश्वर देशमुख के परिजन आवेदिका श्रीमती हेमा बाई को एवं स्व. राजा आलम के पिता श्री संजुर आलम को 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि कलेक्टर दुर्ग द्वारा स्वीकृत की गई है।

भाजपा के नए मंडल अध्यक्ष के रूप में विजय ताम्रकार की नियुक्ति

दुर्ग। जिला भाजपा जितेन्द्र वर्मा द्वारा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय की सहमति एवं जिला प्रभारी राजीव अग्रवाल की स्वीकृति से दुर्ग संगठन जिला के चंडी शितला मंडल अध्यक्ष के रूप में विजय ताम्रकार की नियुक्ति की गई है। विजय ताम्रकार लगातार दो कार्यकाल से भाजपा मंडल महामंत्री के दायित्व का निर्वहन कर रहे थे। जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा द्वारा चंडी शीतला मंडल के निवर्तमान अध्यक्ष चंद्रशेखर चंद्राकर एवं सहकारिता प्रकोष्ठ के निवर्तमान जिला संयोजक घनश्याम दिल्लीवार को जिला कार्यकारिणी सदस्य की जिम्मेदारी दी गई है।

कलाप्रेमियों के लिए भिलाई में बनेगा आर्ट कम एक्जिबिशन सेंटर

दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के लिए पुलगांव में बनेगा आवासीय परिसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भिलाई में कलाप्रेमियों को अपनी कला के प्रदर्शन के लिए एक और अच्छी जगह मिलने वाली है। जिला प्रशासन ने भिलाई में आर्ट कम एक्जीबिशन सेंटर बनाने का निर्णय लिया है। इस सेंटर में ललित कलाओं के प्रदर्शन के लिए अच्छा स्पेस कलाकारों को मिल सकेगा। पेंटिंग प्रदर्शनियों के लिए अच्छी कला गैलरी यहां उपलब्ध होगी। इसके अलावा सेंटर में एक बढ़िया वीडियो रिकार्डिंग स्टूडियो भी होगा।

डिजिटल माध्यमों के तेजी से लोकप्रिय होने के चलते नागरिकों को एक बढ़िया रिकार्डिंग स्टूडियो की दरकार होती है। ऐसा कोई आधुनिक मानकों को पूरा करता हुआ अच्छा स्टूडियो भिलाई में नहीं था, अब इसकी कमी पूरी होगी। इसके साथ ही कैफेटेरिया भी होगा, इस तरह से कलारसिकों के लिए यह जगह खास होगी। बैठक में नगर निगम भिलाई आयुक्त रोहित व्यास, जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन, दुर्ग निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर, रिसाली निगम आयुक्त आशीष देवांगन सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दिव्यांग बच्चों के लिए बनेगा परिसर- कलेक्टर ने आज समीक्षा बैठक में बालोद रोड में प्रस्तावित दिव्यांग बच्चों की पढ़ाई के लिए परिसर के डिजाइन का अवलोकन भी किया। इस आवासीय परिसर के तीन हिस्से होंगे। पहले हिस्से में दिव्यांग बच्चों के रहने की एवं पढ़ाई की सुविधा होगी। इनमें ऐसे बच्चों को रखा जाएगा जिनकी पढ़ाई किसी कारण से विद्यालयों में रहकर कराना संभव नहीं है। इसके साथ ही उपचारात्मक कार्य भी होता रहेगा। अभी यहां पर वृद्धाश्रम संचालित है।

इसे भी आधुनिक मानकों के अनुरूप अद्यतन किया जाएगा। तीसरा खंड मानसिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए होगा। काग्निटिव बिहैवियर थैरेपी आदि के माध्यम से इलाज की सुविधा यहां होगी। परिसर में आयु के आधार पर, लिंग के आधार पर और समस्या के आधार पर आवासीय परिसर होंगे। इसमें चिकित्सकों और नर्स के साथ ही बच्चों और बुजुर्गों के केयर के लिए स्टाफ नियुक्त किये जाएंगे। इस आवासीय परिसर का उद्देश्य ऐसे बच्चों की पढ़ाई को निरंतरता मिलेगी जो अपनी शारीरिक बाधाओं की वजह से शालाओं में नहीं जा पा रहे। इसके माध्यम से उन्हें आधुनिक उपकरणों के माध्यम से शिक्षा दी जाएगी।

मेडिटेशन रूम, डांस रूम, म्यूजिक रूम आदि भी होंगे- बच्चों को बिल्डिंग में सहजता हो, इसके लिए एकास्टिक से लेकर दीवार में रंगों के चयन तक का ध्यान रखा जाएगा। इसके लिए विस्तार से कार्ययोजना बनाई गई है। बच्चों के लिए म्यूजिक रूम, डांस रूम, फिजियोथैरेपी रूम, मेडिटेशन रूम आदि बनाए जाएंगे। पूरा परिसर बाधारहित होगा। बच्चों के ट्रीटमेंट के लिए और उनकी बाधाओं को दूर करने के लिए सबसे बढ़िया उपकरण यहां रखे जाएंगे।

चिटफंड निवेशकों को राहत दिलाने तेजी से करें कार्रवाई - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। चिटफंड निवेशकों को राहत दिलाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए तेजी से कार्य करें। इसके लिए चिटफंड कंपनियों की संपत्ति पर कुर्की आदि की कार्रवाई करें। कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में विस्तार से अब तक की गई कार्रवाई की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जनचौपाल में कई ऐसे प्रकरण आते हैं जिसमें हितग्राही ऋण लेने के लिए अपनी जमीन को बैंक में बंधक रख देते हैं। ऋण चुकता किए बिना ही बंधक रखी जमीन को बेच देते हैं। ऐसे प्रकरणों में नायब तहसीलदार उचित कार्यवाही करें। उन्होंने राजस्व से संबंधित प्रकरणों को जल्द से जल्द निराकृत कर प्रकरणों को रिकार्ड रूम में संकलित करने को कहा। कलेक्टर ने समीक्षा बैठक में जमीन से जुड़े सभी अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, राजस्व वसूली, नक्शा बटांकन, डायवर्सन आदि प्रकरणों को निर्धारित समय सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए। बैठक में सभी विकासखण्ड के एसडीएम व तहसीलदार उपस्थित थे। सामाजिक संस्थाओं की मांग पर शहर से बाहर खाली पड़ी जमीन को चिन्हांकित कर भूमि आबंटित किये जाने संबंधी कार्रवाई किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने रीडर की अनुपस्थिति में तहसील कार्यालय में कार्यरत सहायक ग्रेड को प्रशिक्षण देने को कहा। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में ठगी करने वाली चिटफंड कंपनियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत अंजू को मिली सहायता

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कोई ऐसा काम सीखें जो बाजार में प्रचलित हो और जिससे आप अच्छा कमा सकते हों। लोगों में कुछ करने का हुनर हो तो वह कम पूंजी लगाकर भी पैसा कमा सकते हैं। फैशन के दौर में कपड़े को लेकर लोगों में बेशुमारी है। व्यक्ति चाहे अमीर हो या गरीब सभी को दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले 3 चीजे कपड़ा, रोटी और मकान की सभी को जरूरत होती है।

जिन लोगों के पास रोजगार नही और उनमें कुछ करने का जुनून है तो सिलाई कार्य एक अच्छा बिजनेस हो सकता है। सिलाई का कार्य कर वह अपने रोटी और मकान की व्यवस्था कर सकता हैं।

इसी क्रम में दुर्ग जिले के ग्राम सिकोला भाठा निवासी श्रीमती अंजू गोड़ को मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का लाभ लेकर लगभग 62 हजार रूपए सालाना कमा रही है। त्यौहार सीजन में ब्लाउज एवं सूट की सिलाई कर लगभग 80 हजार रूपए का शुद्ध इनकम कमा रही है। उन्होंने बताया कि उनका यह सिलाई कार्य एक छोटे से किराये के दुकान में चल रहा है। प्राप्त राशि से दुकान का किराया चुका रही है। साथ ही बच्चों की पढ़ाई-लिखाई कराने में भी सहायता मिल रही है।

कपड़ो की सिलाई कर बच्चों की पढ़ाई-लिखाई कराने में मिली मदद

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना से 68 हजार रूपए का लोन लेकर 10 हजार 200 रूपए की अनुदान राशि प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि सिलाई का कार्य ऐसा है जिसमें सालभर कमाई होती है।

इसमें लागत भी कम आती है। इसको महिलाएं घर बैठे शुरू कर सकती है और अच्छा मुनाफा कमा सकती हैं। गांव व आसपास के गांवों के बच्चों की ड्रेस, शादी विवाह के कपड़ों व अन्य सामान्य कपड़ों की सिलाई का काम खूब फला फूला। सिलाई के सहायक कामों जैसे काज, बटन तुरपाई, साड़ी में फाल आदि सहयोग के लिए एक महिला को भी अपने साथ काम में लगा लिया।

जल जीवन मिशन के समन्वयकों का प्रशिक्षण पूरा, फील्ड में मिशन के कार्य के बेहतर सम्पादन के लिए तैयार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत प्रमुख संसाधन केंद्र लेवल -3 का 4 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का द्वितीय बैच का समापन कार्यक्रम रखा गया जिसमें 25 ग्राम पंचायत के 52 प्रतिभगी शामिल हुए।लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग व '' समर्थन सेंटर फ़ॉर डेवलेपमेंट सपोर्ट'' के माध्यम से यह 4 दिवसीय प्रशिक्षण होटल कैमबीन में रखा गया था।

जिसमे जिले में कार्यरत समन्वयक सहायक एजेंसियों के द्वारा जलजीवन मिशन में सहभागिता निभाने वाले ग्रामीण महिलाओं व पुरुषों का चयन किया गया है। 4 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में जल जीवन मिशन के विभिन्न घटत्को का प्रशिक्षण प्रदान किया गया जैसे की योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन में हितधारकों की भूमिका एवं ज़िम्मेदारी , समिति की बैठक संचालन की प्रक्रिया,संचालन एवं रखरखाव ,ग्राम कार्य योजना निर्माण ,गंदे पानी का प्रबंधन आदि। प्रतिभागी जिले के 3 ब्लाक के 4 ग्रामो में फील्ड विजिट कर जल जीवन मिशन के कार्ययोजना का जमीनी स्तर पर अध्ययन किए। जल जीवन मिशन की रुपरेखा उसके मिशन और उद्देश्य के बारे में जानकर प्रतिभागियों में इस मिशन को सफल बनाने के लिए दायित्व पहले से भी अधिक बढ़ गयी है जिससे वे इस मिशन के लिए प्रतिबद्ध होकर आगे इसके सभी पहलूओं में खुद की सहभागिता निभाने के साथ अपने ग्राम के समस्त ग्रामीणों को इसके उद्देश्य और उसकी पूर्ति करने के लिए जागरूक करेंगे। आज प्रशिक्षण के अंतिम दिवस के समापन कार्यक्रम के अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के कार्यपालन अभियंता एफसी बोरकर सहायक अभियंता सुसन जैकब व लेखाधिकारी दीपक मोहंती शामिल हुए उन्होंने प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन किया साथ ही प्रशिक्षण में मिले अनुभव की जानकारी ली।

जिसमे ग्रामीणों ने इस 4 दिवसीय प्रशिक्षण में प्राप्त अपने अनुभव साझा किए प्रतिभगियों ने इस प्रशिक्षण की सराहना करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम से जलजीवन मिशन के संबंध में उनकी जानकारी और भी गहन हुई है। साथ ही इस मिशन के लिए उनकी प्रतिबद्धता और भी बढ़ी है ग्रामीणों ने इस प्रशिक्षण से मिले लाभ को अपने क्षेत्र में उपयोग कर जल जीवन मिशन को सफल बनाने में करेंगे।

निगम तुहर द्वार अंतर्गत महापौर नीरज पाल ने स्मृति नगर के आंनद नगर का वार्ड वासियों के साथ किया दौरा

लोगों ने बताई समस्या, महापौर ने अधिकारियों को शीघ्र निकासी की व्यवस्था सुदृढ़ करने के दिये निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम तुहर द्वार के अंतर्गत शहर सरकार स्वयं लोगों तक पहुँच रही है तथा चौपाल लगाकर लोगो की समस्याये भी सुन रही है, वही जनकल्याणकारी योजनाओं के लिये शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आज महापौर नीरज पाल स्मृति नगर वार्ड 02 पहुँचे वहॉ उन्होने आंनद नगर में चौपाल के जरिये लोगों की समस्याये सुनी।

समस्याओ को सुनने के बाद महापौर नीरज पाल ने आयुक्त रोहित व्यास एवं अधिकारियों के साथ समस्या ग्रस्त क्षेत्र का मोहल्ले वासीयों के साथ निरीक्षण कर जायजा लिया। वहॉ के रहवासियों ने बताया कि आनंद नगर सांस्कृतिक भवन के समीप पानी निकासी की व्यवस्था नहीं है। महापौर ने इस पर अधिकारियों को निर्देशित करते हुए पानी निकासी की उचित व्यवस्था बनाने मौके पर निर्देश दिये, इसी के साथ ही वार्ड के लोगों ने सांस्कृतिक भवन परिसर का सौदर्यीकरण करने की मांग करते हुए उद्यान विकास के लिए महापौर को आवेदन सौंपा। महापौर ने इसके लिए भी अधिकारियों को निर्देशित कर शीध्र प्राक्कलन तैयार करने कहा। स्थानीय लोगों की मांग पर कुछ प्रमुख सड़कों का पेंचवर्क के प्रस्ताव भी महापौर के निर्देश पर तैयार किये जायेगे। शिविर में ज्यादातर लोग आयुषमान कार्ड बनवाने तथा आधार अपडेशन के लिए पहुँच रहे है। शिविर स्थल पर ही सारी प्रक्रियाये पूर्ण की जा रही है। दिनांक 03 मार्च को वार्ड क्रं. 03 के पंचमुखी हनुमान मंदिर के समीप स्थित भवन में शिविर का आयोजन होगा। आज महापौर के वार्ड निरीक्षण के दौरान जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, सभापति गिरवर बंटी साहू, अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, स्थानीय पार्षद मुकेश अग्रवाल, जोन आयुक्त राजेंद्र नायक आदि मौजूद रहे। शिविर में प्रमुख रूप से मुख्यमंत्री मितान योजना, आधार कार्ड आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, श्रम कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, शहरी आजीविका मिशन के तहत व्यक्तिगत लोन एवं अन्य योजना, नए नल कनेक्शन, गुमास्ता लाइसेंस एवं अनुज्ञप्ति लाइसेंस, भवन, दुकान, व्यापारिक प्रतिष्ठान के अनाधिकृत विकास व निर्माण का नियमितीकरण, स्ट्रीट लाइट संधारण, संपत्तिकर, जलकर, भू भाटक, यूजर चार्ज के लिए वसूली काउंटर, पाइपलाइन, बोर, पंप, हैंड पंप संधारण, वार्ड स्तर पर नाली, रोड, टूट फुट संधारण, सफाई कार्य तथा मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना आदि के तहत लोगो को लाभ मिल रहा है।

कार्यादेश जारी होने के बाद काम नही करने वाले ठेकेदार को नोटिस जारी करें: महापौर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम की समीक्षा बैठक में शहर की समस्याओं को तथा विकास को लेकर सुझावों एवम मांगों के संबंध में बैठक की अध्यक्षता कर रहे महापौर धीरज बाकलीवाल व आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कहा कि समीक्षा बैठक से विभागीय कार्यों में आसानी होगी और तेजी से कर संपादित किये जा सकेंगे।

विधायक अरुण वोरा के मंशा के अनुरूप पार्षदो के सुझाव के अनुसार विकास कार्यो की बैठक वार्ड क्रमांक 9,10, और 12,14,15,19,21,22 तक के पार्षदो से उनकी समस्याओं पर तथा विकास कार्यो पर चर्चा की गई। महापौर ने कहा कि नगर निगम प्रशासन द्वारा हर संभव सुविधा दुर्ग के नागरिकों को प्रदान की जा रही है और आगे भी इसी तरह करती रहेगी।

बैठक में पार्षदों ने भी अपने वार्ड की समस्याओ के बारे में बताया।बैठक में निगम सभापति राजेश यादव,एमआईसी सदस्य अब्दुल गनी,संजय कोहले,दीपक साहू,भोला महोबिया,जयश्री जोशी,हमीद खोखर,शंकर ठाकुर, अनूप चंदनिया, नेता प्रतिपक्ष अजय वर्मा,पार्षद देवनारायण चन्द्राकर, चंद्रशेखर चन्द्राकर, काशीराम कोसरे, सतीश देवांगन, निर्मला साहू,अमित देवांगन,विजेंद्र भारद्वाज,खिलावन मटियारा,उषा ठाकुर, मौजूद रहें।महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा राज्य शासन की प्रत्येक योजना को अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचाने में कहीं कोई कसर बाकी नहीं रहनी चाहिए।उनसे वार्ड और शहर विकास के लिए उनसे सुझाव भी मांगा जा रहा है।ताकि उनके वार्ड की जनता की मंशा के अनुरुप हम उस वार्ड में विकास कार्य कर सकें।उन्होंनें कहा निर्माण कार्य में शहर वासियों की मंशा और आवश्यकता अनुसार विकास कार्यो का प्रावधान किया जाएगा।इसके लिए वार्डो के पार्षदों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950